दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

बेटी को ट्रोल करने वालों पर आगबबूला

ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म का बनीं हिस्सा

वर्ष : 12 | अंक : 200 | लखनऊ, 14 जुलाई, मंगलवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

इज्जत बचाने के लिए माता-पिता दर्ज कराते हैं आपराधिक केस

किशोरों के आपसी सहमति वाले रिश्तों में एक्ट का दुरुपयोग हो रहा

सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त लहजे में सवाल किया कि कोई राज्य किसी लड़के और लड़की को भागने से कैसे रोक सकता है? पॉक्सो एक्ट बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और शोषण को रोकने के लिए है। 15 से 18 साल की उम्र एक संवेदनशील उम्र होती है

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर किशोरों के आपसी सहमति से बने रिश्तों में पॉक्सो एक्ट के गलत इस्तेमाल पर गंभीर चिंता जताई है। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि जब टीनेज लड़कियां अपने पार्टनर्स के साथ परिवार वालों के बिना अनुमति के शादी करने लेतीं हैं, तो माता-पिता अक्सर अपनी तथाकथित 'इज्जत' बचाने के लिए आपराधिक मामले दर्ज करा देते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त लहजे में सवाल किया कि कोई राज्य किसी लड़के और लड़की को भागने से कैसे रोक सकता है? पॉक्सो एक्ट बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और शोषण को रोकने के लिए है। 15 से 18 साल की उम्र एक संवेदनशील उम्र होती है, क्या ऐसे मामलों को सच में पॉक्सो के तहत लाना सही है? बता दें कि यह सुनवाई किशोरों के 'निजता के अधिकार' को लेकर कोर्ट द्वारा खुद शुरू किए गए एक मामले पर हो रही थी। दरअसल, कुछ समय पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक विवादित टिप्पणी करते हुए कहा था कि किशोर लड़कियों को रिश्तों में पड़ने के बजाय अपनी इच्छाओं पर काबू रखना चाहिए।

मामले में अगली सुनवाई 17 जुलाई को

कोर्ट ने सरकार को व्यावहारिक समाधान निकालने के दिए निर्देश

स्कूल से ही जागरूक करेंगे: केंद्र

केंद्र सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि इस समस्या से निपटने के लिए एक बड़ा प्लान तैयार किया गया है। केंद्र सरकार के वकील के अनुसार कक्षा 6 से ही बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से पॉक्सो एक्ट और किशोर शिक्षा के बारे में जागरूक किया जाएगा। हालांकि जब वकील ने सुझाव दिया कि पॉक्सो मामलों की निगरानी के लिए केंद्र सरकार का एक डैशबोर्ड होना चाहिए, तो सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

काशी, मथुरा और संभल विवाद मामला

हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकराया, कहा- केस लड़कर फैसला चाहते हैं

यूपी के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए 'समाधान समारोह 2026' पहल के तहत लेटर भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी।

गोवध प्रतिबंध के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु में कहीं भी बकरीद या किसी अन्य दिन गाय या बछड़े के वध पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर स्पेशल लीव पिटिशन पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

असम में विदेशी घोषित 27 लोगों को राहत हाईकोर्ट का फैसला रद्द

सुप्रीम कोर्ट बोला नागरिकता का फैसला निष्पक्ष प्रक्रिया से हो

सुप्रीम कोर्ट ने असम के 27 लोगों को विदेशी घोषित करने से जुड़े मामलों में गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले रद्द कर दिए। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या विदेशी होने का फैसला निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह संविधान और कानून से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण विषय है। सभी मामले दोबारा सुनवाई के लिए फॉरिनर्स ट्रिब्यूनल को भेज दिए गए है।

अंतिम फैसला ट्रिब्यूनल करेगा

फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल सभी मामलों की नए सिरे से सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान वह अपने पहले के आदेश या गुवाहाटी हाईकोर्ट की टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना स्वतंत्र रूप से फैसला देगा। यह नहीं है कि अपीलकर्ताओं को नागरिकता मिल गई है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे राष्ट्र को समर्पित

राजनाथ, गडकरी और सीएम योगी ने किया लोकार्पण, 40 मिनट लगेंगे

तेज रफ्तार कनेक्टिविटी से बदलेगी यूपी की तस्वीर, विकास और निवेश को मिलेगी नई गति

अमन लेखनी समाचार/ लखनऊ

यूपी को एक बड़ी सौगात मिली, जब 63 किमी लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। करीब 4,200 करोड़ की लागत से तैयार इस आधुनिक एक्सप्रेसवे के शुरू होने से लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 30 से 40 मिनट रह जाएगा। यह परियोजना प्रदेश की सड़क कनेक्टिविटी, उद्योग, व्यापार और निवेश को नई गति देने वाली मानी जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह एक्सप्रेसवे यूपी की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाएगा तथा लोगों को तेज, सुरक्षित और सुविधा वाली यात्रा का लाभ मिलेगा।

उद्योग को होगा बड़ा लाभ: गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण समारोह को यूपी के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे केवल दो शहरों को जोड़ने वाली सड़क नहीं, बल्कि प्रदेश के औद्योगिक, व्यापारिक और आर्थिक विकास का नया द्वार है। 63 किमी लंबा छह लेन का एक्सप्रेसवे आधुनिक तकनीक से तैयार किया गया है और यह देश का पहला बैरियर-फ्री एक्सप्रेसवे है। यहां टोल प्लाजा पर वाहनों को रुकना नहीं पड़ेगा। एक्सप्रेसवे पर इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, एआई आधारित निगरानी, स्पीड रडार, सीसीटीवी कैमरे, इमरजेंसी कॉल बॉक्स की सुविधाएं दी गई हैं।

विश्वस्तरीय संरचना का हो रहा विकास: सीएम

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि नए एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग प्रदेश को देश की सबसे मजबूत कनेक्टिविटी वाले राज्यों में शामिल कर रहे हैं। सीएम ने इसे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताते हुए केंद्र सरकार, विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

एसयूवी ट्रक से टकराई 5 की मौत, 3 घायल

जयपुर। राजस्थान के बालोतरा जिले में बाड़मेर-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार देर रात हुए

सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा भाड़ियावास गांव के पास हुआ, जब तेज रफ्तार से जा रही एक एसयूवी आगे चल रहे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई।

ट्रक में घुसी स्कॉर्पियो 3 की मौत, 9 घायल

कानपुर। कानपुर में सोमवार सुबह 6 बजे नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक में स्कॉर्पियो जा घुसी। हादसे में

भाई-बहन समेत 3 की मौके पर मौत हो गई। 9 लोग गंभीर घायल हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार के पाट्र्स 15-20 फीट दूर तक बिखर गए। उसकी छत उड़ गई। स्कॉर्पियो में सवार लोग अंदर फंस गए।

महिला समृद्धि योजना अब दिल्ली लक्ष्मी योजना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महिला समृद्धि योजना का नाम बदलकर 'दिल्ली लक्ष्मी योजना'

कर दिया है। सीएम रेखा गुप्ता ने सयोजना की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इसे रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने का लक्ष्य तय किया है। योजना में 21 से 60 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे।

चांदीपुरा वायरस से एक माह में 12 बच्चों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में संक्रमण से एक महीने में अब तक 12 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से तीन

बच्चे चांदीपुरा वायरस से संक्रमित थे। अन्य 9 बच्चों की मौत भी इसी वायरस से होने की आशंका है। संक्रमण के मामले गांधीनगर, साबरकांठा, खेड़ा, अरावली और पंचमहल जिलों में सामने आए हैं।

वारी शोभायात्रा के दौरान हादसा

ट्रक ने 7 महिलाओं को रौंदा, 3 की मौत, 5 लाख देने का ऐलान

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र के पुणे जिले में वारी शोभायात्रा के दौरान एक ट्रक की चपेट में आने से भगवान विठ्ठल की 3 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इस हादसे में 4 अन्य महिलाएं घायल हो गईं। पजांच में पता चला है कि 70 वर्षीय ट्रक चालक की तबीयत खराब थी। वह बुखार तथा सर्दी की दवा ले रहा था। पुलिस के अनुसार, दूसरे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश के दौरान ट्रक अचानक बाईं ओर मुड़ गया और महिलाओं को कुचल दिया। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हादसे में तीन वारकरी श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। यह हादसा सुबह करीब साढ़े आठ बजे बेलसर टोल प्लाजा से जेजुरी की ओर करीब 500 मीटर आगे एक होटल के पास हुआ।

राहुल गांधी का सरकार पर आरोप

शिक्षा व्यवस्था 'वसूली का तंत्र' बनी, क्रांति का समय

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत की शिक्षा

व्यवस्था अब 'बेईमान वसूली का तंत्र' बन गई है। अब शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने का समय आ गया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मोदी सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने चुप्पी साध ली है। उन्होंने कहा कि दोनों ने जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है। राहुल गांधी ने एक पोस्ट में लिखा कि भ्रष्ट, अन्यायी, पक्षपाती, बेईमानी- ये चार शब्द मेरे नहीं, ये देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। सच यही है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब एक बेईमान वसूली तंत्र बन चुकी है। जो व्यवस्था बच्चों के भविष्य को तैयार करने के लिए बनी थी, वो आज उन्हें और उनके परिवार को कर्ज, तनाव और निराशा में धकेल रही है। इसी भ्रष्टाचार ने पेपर लीक माफिया को जन्म दिया, जो तैयारी कर रहे छात्रों की की मेहनत पर पानी फेर रहे।

असम में सीएम सरमा बुलडोजर पर हुए सवार

10 दिनों में नष्ट करेंगे 472 करोड़ की ड्रग्स

नलबाड़ी। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य भर में जब्त की गई 472 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स को 10 दिनों में नष्ट करने का अभियान शुरू किया। नलबाड़ी जिले में इस अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि असम को नशामुक्त बनाने के लिए राज्य मादक पदार्थों के मामलों से निपटने में निर्दयी रुख अपनाएगा। सीएम सरमा ने घोषणा की कि असम पुलिस की ओर से जब्त की गई 472 .51 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की दवाओं को अगले 10 दिनों में नष्ट कर दिया जाएगा।

ममता के एक और फैसले को सुभेंदु ने पलटा

'खेला होबे' की जगह अब 'आयुष्मान दिवस' 16 अगस्त को मनाया जाएगा

अमन लेखनी समाचार/ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने घोषणा की कि उनकी सरकार केंद्र सरकार की जन स्वास्थ्य बीमा योजना के सम्मान में 16 अगस्त को 'आयुष्मान दिवस' के रूप में मनाएगी। यह कदम पिछली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार द्वारा मनाए जाने वाले 'खेला होबे दिवस' की परंपरा को समाप्त करेगा। यह दिन राज्य में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने का भी प्रतीक होगा।

■ सरकार के 100 दिन पूरे होंगे

16 अगस्त 'काला दिन'

सीएम ने कहा कि 16 अगस्त कोलकाता के इतिहास का एक काला दिन है, क्योंकि इसी तारीख को सुहरावर्दी के नेतृत्व में 'ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स' हुई थी। वे 16 अगस्त 1946 को 'डायरेक्ट एक्शन डे' का जिक्र कर रहे थे। दंगे में करीब 4,000 लोग मर गए थे।

सुरक्षा के तहत प्रतिबंध

सीएम ने कहा कि देश की सुरक्षा और कोलकाता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा हमारे लिए सबसे पहले है। कोलकाता हवाई अड्डे की भौगोलिक स्थिति बेहद संवेदनशील है क्योंकि इसके पास ही चीन और बांग्लादेश की सीमाएं हैं। ऐसी स्थिति में इसकी सुरक्षा जरूरी है।

मंत्री नितेश राणे ने आमिर खान की तीसरी शादी पर कसा तंज

वे तो लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर हिंदू समाज इस बारे में चिंता करे

ऐसे एक्टर्स को बड़ा बनाने से पहले सोचें

एजेंसी:मुंबई। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान ने हाल ही में गौरी स्प्रैट के साथ सादगी से रजिस्टर्ड मैरिज की। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा विधायक नितेश राणे ने इस पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या इसे 'लव जिहाद' का मामला माना जाना चाहिए या नहीं, इस पर चर्चा धीरे-धीरे जोर पकड़ रही है। उन्होंने कहा कि जब सेलिब्रिटीज अपनी पर्सनल लाइफ में ऐसे फैसले लेते हैं, तो हिंदू समाज को इस बारे में सोचना चाहिए। यह मेरी राय है। लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कौन है? क्या आमिर खान ऐसा नहीं बन रहे हैं? जो हिंदू युवा उनकी फिल्में देखते हैं, उन्हें ऐसे एक्टर्स को बड़ा बनाने से पहले सोच-समझकर सोचना चाहिए।

नितेश राणे | आमिर तीसरी शादी करते हुए

यह उनका व्यक्तिगत मामला: पेडणेकर

शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर ने भी इस मामले पर कहा कि आमिर खान की फिल्में देखना या नहीं देखना, इसका फैसला लोगों को ही करना चाहिए। कोई हिंदू लड़की यह जानती है कि जिससे वह शादी कर रही है, उसकी दो शादियां पहले से हो चुकी हैं, तो यह उन दोनों का व्यक्तिगत मामला हो गया।

आप में क्षमता है तो करो: पठान

महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व सदस्य और एआईएमआईएम के प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि अगर कोई इंसान अपनी पसंद से शादी करना चाहता है तो दिक्कत क्या है? किसी को कोई दिक्कत नहीं है तो आपको क्या दिक्कत है? उनकी क्षमता है, उन्होंने किया। अगर आपके अंदर भी क्षमता है तो आप भी करो।

बाबा रामदेव बोले- हम सभी के पूर्वज सनातनी

योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा है कि 'हिंदू राष्ट्र' की अवधारणा से किसी को भी डरने की कोई जरूरत नहीं है। हम सभी के पूर्वज सनातनी हिंदू

आर्य-वैदिक थे। ये बिल्कुल साफ लिखा है। कुछ लोग पूछते हैं कि अगर हिंदू राष्ट्र बन गया, तो मुस्लिम कहां जाएंगे? बस अपने पूर्वजों की परंपराओं को अपना लीजिए। आप दाढ़ी रखें या कटवा लें, अपनी पसंद की कोई भी पोशाक पहनें, लेकिन अपना चरित्र अपने पूर्वजों जैसा रखें। हिंदुस्तान में मुसलमानों या ईसाइयों के लिए कोई खतरा नहीं है।

डाक्टर के व्यवहार, संवेदनशीलता को याद रखता है मरीज : राजनाथ

करुणा और सेवा भाव से करें मरीजों का इलाजः राज्यपाल, केजीएमयू का 22वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि डॉक्टर की पहचान ज्ञान से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार, संवेदनशीलता से की जाती है। बीमारी ठीक होने पर मरीज डाक्टर के व्यवहार को विशेष रूप से याद रखता है। डाक्टर का स्नेह, आत्मीयता और अपनापन को वह कभी नहीं भुला पाता है। कई मरीज डॉक्टरों को सफेद कोट में देखकर घबरा जाते हैं। जिसे व्हाइट कोट सिंड्रोम कहा जाता है।

अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेन्टर में सोमवार को आयोजित केजीएमयू के 22वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने क जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत भाषण दिया। विशिष्ट अतिथि अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह मौजूद रहे। केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने पिछले तीन साल में केजीएमयू की उपलब्धियां बतायीं। अपने संबोधन में रक्षामंत्री ने कहा कि डाक्टर सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ें। संपन्न लोगों के पास इलाज के कई विकल्प होते हैं, लेकिन गरीब और कमजोर वर्ग डॉक्टरों पर ही निर्भर रहते हैं। ऐसे में सभी मरीजों को समान भाव से इलाज देना ही डॉक्टर का सबसे बड़ा धर्म और मानवता की सच्ची सेवा है। कई बार बीमारी का सही निदान मरीज की बातों में ही छिपा होता है।

श्री सिंह ने कहा कि डाक्टरों को अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। योग और ध्यान को दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। डॉक्टर का मकसद केवल इलाज नहीं, बल्कि बीमारी की रोकथाम भी होना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से आगे बढ़ रही है, लेकिन वह मरीज के मन की पीड़ा और भावनाओं को नहीं समझ सकती है। महिलाओं के स्वास्थ्य पर अधिक शोध करने, अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और ब्रेन डेड मरीजों के परिजनों को अंगदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना और जन औषधि केंद्रों ने गरीबों को बड़ी राहत दी है। भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रेस्ट कैंसर के लिए नैनो ड्रग, जीन थेरेपी और कार-टी सेल थेरेपी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर देश में तेजी से काम हो रहा है।

अध्यक्षीय संबोधन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डॉक्टरों से करुणा, संवेदनशीलता और ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने अस्पताल और छात्रावासों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, भोजन, स्ट्रेचर और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज से उनके नाम के आगे डॉक्टर शब्द जुड़ रहा है, जिसके साथ समाज का विश्वास और बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ती है। मरीज उम्मीद लेकर डॉक्टर के पास आता है। इसलिए प्रत्येक डॉक्टर को करुणा, संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ उसका इलाज करना चाहिए। किसी भी मरीज को निराश नहीं लौटाना चाहिए। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सुरक्षित प्रसव और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आवश्यक हैं।

नए डॉक्टर कम से कम दो से तीन वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं दें। निजी अस्पतालों के डॉक्टर भी गरीब मरीजों को निशुल्क और रियायती दर पर इलाज उपलब्ध कराने का संकल्प लें। राज्यपाल ने कहा कि देश में 90 करोड़ से अधिक लोगों की यूनिक मेडिकल रिकॉर्ड आईडी बनाई जा चुकी है। जिससे मरीज देश के किसी भी हिस्से में अपना इलाज आसानी से करा सकते हैं। डिजिटल आयुष्मान मिशन, आयुष्मान मंदिर, टीबी उन्मूलन अभियान और टीकाकरण जैसी योजनाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को सीखना और शोध करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए तथा अपनी सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने केजीएमयू परिसर के 90 छोटे-बड़े भवनों का निरीक्षण करने का उल्लेख किया। राज्यपाल ने बताया कि 18 हॉस्टलों में 500 से अधिक छात्र-छात्राएं रह रहे हैं। सभी हॉस्टलों में वाशिंग मशीन उपलब्ध कराने, मेस में भोजन की गुणवत्ता सुधारने और बेहतर गुणवत्ता का पनीर परोसने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान दो हॉस्टलों में एक्सपायरी डेट का मसाला मिलने और उससे सब्जी बनाए जाने का मामला सामने आया, जिसे उन्होंने गंभीर बताते हुए तत्काल जांच और सुधार के निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में परिसर में 600 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिनकी निगरानी से सुरक्षा पर नजर रखी जा रही है। अब 2500 अतिरिक्त कैमरे लगाने की योजना बनाई गई है। आधुनिक निगरानी व्यवस्था से मरीजों, छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों की सुरक्षा बेहतर होगी तथा परिसर में होने वाली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सकेगा।

दीप्ति शर्मा ने 16 पदक जीतकर रचा नया कीर्तिमान

- 20 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 54 स्वर्ण एवं अन्य पदक प्रदान किये गये

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह में शिक्षा, शोध और उत्कृष्ट प्रदर्शन का भव्य उत्सव देखने को मिला। समारोह में विभिन्न संकायों के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कुल 20 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 54 स्वर्ण एवं अन्य पदक प्रदान किए गए।

एमबीबीएस 2021-26 बैच की दीप्ति शर्मा इतिहास रच दिया। वह केजीएमयू के इतिहास में हेवेट गोल्ड मेडल और चांसलर गोल्ड मेडल दोनों एक साथ हासिल करने वाली केवल सातवीं छात्रा बनेंगी। दीप्ति को कुल 16 मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए गये। दीप्ति शर्मा को हेवेट गोल्ड मेडल, चांसलर गोल्ड मेडल, यूनिवर्सिटी ऑनर्स गोल्ड मेडल और प्रोविंशियल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन गोल्ड मेडल समेत कई प्रतिष्ठित सम्मान दिये गये। हेवेट गोल्ड मेडल एमबीबीएस फाइनल प्रोफेशन में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को दिया जाता है, जबकि चांसलर गोल्ड मेडल सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड छात्र के लिए होता है।

यूनिवर्सिटी ऑनर्स गोल्ड मेडल समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है। अन्य पुरस्कारों में एमबीबीएस में डॉ. आरएमएल मेहरोत्रा मेमोरियल गोल्ड मेडल निधि सिंह को दिया गया। बीडीएस वर्ग में अभिलाषा घोष, जिन्हें सात गोल्ड और सिल्वर मेडल मिलेंगे, तथा अनीकेत चंद्र सक्सेना को भी सम्मानित किया गया। वहीं ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग के प्रो.प्रदीप टंडन को लाइफटाइम डेडिकेशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कुल 1,701 उपाधियां प्रदान की गयीं।

वहीं नीति आयोग के सदस्य डा. एम श्रीनिवास को डॉक्टर ऑफ साइंस (ऑनोरिस कॉजा) की मानद उपाधि प्रदान की गयी। दीक्षांत समारोह के दौरान 'हृदय संजीवनी' बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम, ट्रॉमा सेंटर की मोबाइल सीटी स्कैन सेवा और यूनिवर्सिटी सेंट्रल इन्फॉर्मेशन केंद्र का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही डा. जीके सिंह की पुस्तक का भी विमोचन भी किया गया।

डा. आरके गर्ग को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

केजीएमयू के न्यूरोलॉजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आरके गर्ग को रक्षामंत्री व राज्यपाल ने लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्तमान में वह एरा मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर हैं। डॉ. गर्ग दुनिया के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में भी शामिल हैं। सम्मान मिलने पर उन्होंने कहा कि जिस संस्थान में उन्होंने अपना पूरा सेवाकाल बिताया, उसी संस्थान से सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान मिलना उनके लिए गर्व और भावुक कर देने वाला क्षण है। उन्होंने इस सम्मान का श्रेय अपने सहयोगियों, विद्यार्थियों और मरीजों के विश्वास को दिया।

डा. ऋषि सेठी को राज्यपाल गोल्ड मेडल

लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष व डीन इनोवेशन डॉ. ऋषि सेठी को राज्यपाल गोल्ड मेडल से नवाजा गया। रक्षामंत्री व राज्यपाल ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया है। डॉ. ऋषि को चिकित्सा शिक्षा, शैक्षणिक अनुसंधान, संस्थागत विकास व समाजोपयोगी गतिविधियों में उत्कृष्ट बेहतर योगदान के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। डा. ऋषि के अब तक 120 से अधिक शोध प्रकाशन, 2600 से अधिक शोध उद्धरण (साइटेशन), 23 का एच-इंडेक्स तथा 60 का आई-10 इंडेक्स दर्ज है।

भारत गौरव ट्रेन से दक्षिण भारत और 4 ज्योतिर्लिंग के साथ स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की यात्रा का मौका

लखनऊ। आईआरसीटीसी द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के माध्यम से श्रद्धालुओं के लिए दो विशेष यात्रा पैकेज शुरू किए जा रहे हैं। इनमें दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों और 4 ज्योतिलिंगों के साथ स्टेचू ऑफ यूनिटी के दर्शन शामिल हैं। मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धक, अजीत कुमार सिन्हा, आईआरसीटीसी, उ.क्षे. लखनऊ द्वारा दी गई जानकारी के क्रम में बताया गया कि दक्षिण भारत यात्रा के लिए 11 रात 12 दिन यात्रा पैकेज होगा। यात्रा की तिथि 31.07.2026 से 11.08.2026 तक होगी। भारत गौरव पर्यटक ट्रेन जिन प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराएगी उनमें तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, मदुरै मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग शामिल होंगे। उतरने–चढ़ने के स्टेशनः गोरखपुर, अयोध्या कैंट, प्रयागराज संगम, लखनऊ, कानपुर, झांसी, ललितपुर सहित 13 स्टेशनों के नाम शामिल हैं। यात्रा पैकेज मूल्य के बारे में बताया गया कि इकोनामी स्लीपरः रूपए 23,560 प्रति व्यक्ति, स्टैंडर्ड 3एसीः रूपए 39,100 प्रति व्यक्ति तथा कम्फर्ट 2 एसीः रूपए 51,760 प्रति व्यक्ति पैकेज मूल्य होंगे। दी गई जानकारी के क्रम में बताया गया कि वहीं 4 ज्योतिर्लिंग + स्टेचू ऑफ यूनिटी यात्रा का पैकेज टूर 9 रात 10 दिन का होगा।

सिटी बस कम, प्रतिदिन चलने वाले यात्री परेशान

लखनऊ। सिटी बस में सफर करने के लिए सोच रहे है तो सावधान हो जाइए। घर से आफिस या स्कूल बच्चे जाने के लिए सोच रहे है तो यह आपकी भूल है। क्योकि सिटी बस की संख्या कम होने से सड़क पर घण्टो बस का इंतजार करना पड़ सकता है। जरुरी कार्य के लिए जाना है तो बिल्कुल भी सिटी बस का इंतजार मत करिये। सिटी बस के चालक परिचालकों को समय पर वेतन नही मिलना भी इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। दुबग्गा डिपो से संचालित होने वाली सिटी बस विराज खण्ड, आशियाना, सरोजनीनगर सहित अन्य जगहो पर भी बस नही दिखाई दे रही है। वेतन का हाल यह है कि तीन माह बीत जाने के बाद भी वेतन नही दिया जा रहा है। जिससे कभी कभी सिटी बस के चालक और परिचालक संचालन बंद कर देते है। सुबह के समय बस का संचालन बाधित होने से स्कूल जाने वाले छात्रों, ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के सैकड़ो कर्मचारी पिछले तीन माह से अपने वेतन की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई ही नहीं हो रही है। सिटी बस के अधिकारी मौके पर चालक परिचालकों को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। सोमवार तक उनका जो भी बकाया है उसका भुगतान करने की कोशिश की जाएगी।

महाप्रबंधक ने ऐशबाग व डालीगंज स्टेशन की परखी व्यवस्थाएं

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने सोमवार को लखनऊ मंडल के ऐशबाग जंक्शन और डालीगंज रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा भुवनेश सिंह, मुख्य परियोजना प्रबंधक आरएसपी राघवेंद्र कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि ऐशबाग जंक्शन पर महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म-1 पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहे कार्य और लेआउट प्लान का अवलोकन किया।

उन्होंने सकुर्लेटिंग एरिया, बुकिंग कार्यालय, एसी प्रतीक्षालय, अनारक्षित टिकट खिड़की, प्लेटफॉर्म लाइटिंग, फसाड लाइटिंग, खानपान स्टॉल, फुट ओवर ब्रिज और द्वितीय प्रवेश द्वार का भी जायजा लिया। उन्होंने स्वच्छता, पेयजल, शौचालय और प्रतीक्षालय जैसी मूलभूत सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। वहीं डालीगंज स्टेशन पर मुख्य प्रवेश द्वार, सकुर्लेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म सरफेस, 12 मीटर चौड़े एफओबी, पार्किंग और प्रतीक्षालय का निरीक्षण किया।

इसी दौरान महाप्रबंधक ने कर्मचारी कल्याण निधि से लखनऊ मंडल के 8 दिव्यांग रेल कर्मचारियों को प्राथमिकता के आधार पर कस्टमाइज्ड स्कूटी वितरित की। लाभार्थियों में अवर लिपिक देविन्द्र कुमार, सहायक समाडि मुन्ना यादव, मुकायार्धी मधु पांडे, वेटिंग रूम अटेंडेंट अफसा नसीम, वरिष्ठ लेखा सहायक संजय कुमार वर्मा सहित अन्य शामिल रहें।

होटल नोवोटेल के बेसमेंट में अवैध निर्माण को एलडीए ने किया सील

लखनऊ। गोमती नगर के होटल नोवोटेल में पार्किंग की जगह अवैध रूप से संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को एलडीए ने सोमवार को सील कर दिया। इसके अलावा गोमती नगर विस्तार में आवासीय भू-उपयोग में अवैध रूप से संचालित कार वर्कशॉप पर भी कार्रवाई की गयी।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शहर में होटल, बैन्क्वेट हॉल, कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल समेत अन्य बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की जांच के आदेश दिये थे। जिसके अनुपालन में एलडीए व अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने शहर में अभियान चलाकर विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था। इस क्रम में गोमती नगर के विराज खण्ड में भूखण्ड संख्या-सीपी-74 पर लगभग 2400 वर्गमीटर क्षेत्रफल में निर्मित होटल नोवोटेल में भी जांच की गयी थी। प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि स्वीकृत मानचित्र के अनुसार होटल नोवोटेल के लोअर बेसमेंट में पार्किंग स्पेस दशार्या गया था। लेकिन, वहां पार्किंग के स्थान पर बेकरी, लॉन्ड्री, स्टॉफ क्वार्टर निर्मित पाये गये थे।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे से सरोजनीनगर बनेगा औद्योगिक विकास का नया केंद्र : डॉ. राजेश्वर सिंह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सरोजनीनगर स्थित यूपी सैनिक स्कूल में आयोजित समारोह में 4,850 करोड़ रुपये से अधिक लागत की तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे सरोजनीनगर के लिए समृद्धि, औद्योगिक निवेश और रोजगार का नया द्वार साबित होगा।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि रिकॉर्ड समय में तैयार हुआ लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे क्षेत्र के विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे सरोजनीनगर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक, निवेश और लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में नई पहचान बनाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि एक्सप्रेसवे के संचालन से औद्योगिक निवेश, टेक्सटाइल उद्योग, व्यापार और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा नागरिकों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और आधुनिक सुविधाओं तक तेज एवं सुगम पहुंच मिलेगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आधुनिक आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि सरोजनीनगर की जनता विकास की इस यात्रा में सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ती रहेगी।

विधायक ने किया बैंक ऑफ महाराष्ट्र की वृंदावन शाखा का उद्घाटन

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सोमवार को सेक्टर-4, वृंदावन योजना स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की नई शाखा का उद्घाटन किया। समारोह में उन्होंने बैंकिंग व्यवस्था को देश की अर्थव्यवस्था की वित्तीय रीढ़ बताते हुए कहा कि बचत को निवेश में बदलने और रोजगार सृजन में बैंकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि वर्ष 1935 में स्थापित बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने लगभग 90 वर्षों की अपनी यात्रा में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और उत्कृष्ट कार्यप्रणाली के बल पर देशभर में विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने बैंक के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बैंक का एनपीए केवल 0.13 प्रतिशत है, जो देश में सबसे कम है। यह बैंक की जिम्मेदार ऋण नीति और प्रभावी निगरानी व्यवस्था का प्रमाण है। उन्होंने अपने प्रवर्तन निदेशालय के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि बैंकों की भूमिका केवल ऋण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे उद्योग, व्यापार और रोजगार को गति देकर राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान देते हैं।

खेत में घास काटते समय किसान को सर्प ने डसा, मौत

अमन लेखनी समाचार

मृतक राम सहाय फाइल – फोटो

लखनऊ। बीते रविवार शाम खेत में घास काटते समय जहरीले सर्प के डसने से किसान की मौत हो गई। परिजन आनन-फानन उसे अस्पताल ले जा रहे थे जहां रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम अंटाखेड़ा निवासी राम सहाय (65) रविवार शाम गांव के बाहर स्थित धान के खेत में मेड़ पर जानवरों के लिए घास काट रहे थे। इसी दौरान अचानक एक जहरीले सर्प ने उनके दाहिने हाथ में डस लिया शोर मचाने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने परिजनों को सूचना दी पिता की हालत गंभीर देख बेटा राजेश तुरंत उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही किसान ने दम तोड़ दिया। अगले दिन सोमवार को परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक राम सहाय खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी फूलमती, तीन बेटे राजेश कुमार, सुशील कुमार, सुजीत कुमार हैं, पिता की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि सांप के डसने से किसान की मौत हुई है, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घर खरीदारों को राहतः अधिक वसूली गयी जीएसटी वापस मिलेगी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने घर खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए बड़ा कदम उठाते हुए अधिक वसूली गई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि वापस दिलाने की प्रक्रिया स्पष्ट कर दी है। अब जिन आवंटियों से किसी रियल एस्टेट प्रमोटर ने निर्धारित दर से अधिक जीएसटी वसूला है, वे निर्धारित शर्तों के तहत सीधे जीएसटी विभाग से रिफंड का दावा कर सकेंगे।

यूपी रेरा ने प्रदेश के सभी पंजीकृत रियल एस्टेट प्रमोटर्स और एजेंटों को निर्देश दिया है कि वे केवल केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचित जीएसटी दरों के अनुसार ही कर की वसूली करें। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि निर्धारित दर से अधिक जीएसटी वसूलना नियमों का उल्लंघन है और ऐसी शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यूपी रेरा के अनुसार यदि किसी आवंटी ने फ्लैट या भवन निर्माण सेवा के लिए जीएसटी का भुगतान किया हो और बाद में परियोजना रद्द हो जाए, आवंटन निरस्त हो जाए या अनुबंध समाप्त हो जाए तथा उस समय तक प्रमोटर के लिए क्रेडिट नोट जारी करने की वैधानिक समय-सीमा समाप्त हो चुकी हो, तो आवंटी स्वयं जीएसटी विभाग से रिफंड प्राप्त कर सकता है।

रिफंड पाने के लिए अपंजीकृत (अनरजिस्टर्ड) आवंटी को अपने पैन कार्ड के आधार पर जीएसटी पोर्टल पर अस्थायी पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद फार्म 01 के माध्यम से आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ जीएसटी भुगतान का प्रमाण, आवश्यक दस्तावेज और प्रमोटर की ओर से जारी प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद पात्रता के अनुसार सक्षम अधिकारी रिफंड स्वीकृत करेगा। राज्य कर विभाग के अनुसार अनुबंध समाप्त या निरस्त होने की तिथि से दो वर्ष के भीतर रिफंड का दावा किया जा सकता है। हालांकि 1,000 रुपये से कम जीएसटी राशि वाले मामलों में रिफंड नहीं मिलेगा। यूपी रेरा ने सभी बिल्डरों को निर्देश दिया है कि वे अधिसूचित जीएसटी दरों का पूर्ण पालन करें और किसी भी परिस्थिति में निर्धारित दर से अधिक जीएसटी की वसूली न करें। यदि किसी आवंटी से अतिरिक्त जीएसटी वसूली गई है तो राज्य कर विभाग के दिशा-निदेर्शों के अनुसार उसकी वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

सौ दिन के टीबी अभियान में 2.8 लाख की स्क्रीनिंग, 9370 नये मरीज मिले

- 3560 बिना लक्षण वाले मरीजों की भी हुई पहचान, सीएमओ
- बोले– समय पर जांच ही सबसे बड़ी चुनौती

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान के आंकड़ों ने बताया है कि टीबी के उपचार से ज्यादा बड़ी चुनौती मरीजों की समय पर पहचान और उन्हें जांच-उपचार से जोड़ना है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान 2.8 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें 39,600 लोगों में संभावित टीबी के लक्षण मिले। जांच के बाद 9,370 नए मरीजों में टीबी की पुष्टि हुई और सभी को निःशुल्क उपचार से जोड़ा गया। दी गई जानकारी में बताया गया कि अभियान की बड़ी उपलब्धि 3,560 ऐसे मरीजों की पहचान रही, जिनमें टीबी के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं थे। समय रहते उनकी पहचान से संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने में मदद मिली।

डॉ. सिंह ने कहा कि लगातार खांसी, बुखार, वजन घटना, भूख न लगना या बलगम में खून जैसे लक्षणों को लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। इसी वजह से मरीज देर से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचते हैं और संक्रमण फैलता है। सक्रिय खोज ही इसका समाधान है। दी गई जानकारी के क्रम में बताया गया कि अभियान के तहत 301 आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किए गए। 1924 निक्षय मित्र अभियान से जुड़े, जिन्होंने 7,800 मरीजों को गोद लेकर पोषण पोटली दी। उच्च जोखिम समूह - पूर्व टीबी मरीज, संपर्की, कुपोषित, डायबिटीज, एचआईवी और शराब सेवन करने वालों की विशेष स्क्रीनिंग भी की गई।

वहीं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. ए.के. सिंघल ने बताया कि टीमों ने घर-घर जाकर लक्षण वाले लोगों की एक्स-रे और बलगम जांच की। मरीजों को नियमित दवा और पोषण की सलाह के साथ परिवार के सदस्यों की भी जांच कराई गई। जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी योगेश रघुवंशी ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लिए जनभागीदारी जरूरी है। जनप्रतिनिधियों, आशा कार्यकताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और निजी डॉक्टरों के सहयोग से ही भ्रम और कलंक दूर कर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। टीबी उन्मूलन के लिए सक्रिय खोज, समय पर जांच और सामुदायिक भागीदारी ही सबसे प्रभावी रास्ता है।

चंद्रभान गुप्ता लॉ कॉलेज का लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्ता की स्मृति में चंद्रावल में चंद्रभान गुप्ता लॉ कॉलेज का लोकार्पण हुआ। राज्यसभा के पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री तथा भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष डा. अशोक वाजपेई ने भवन का लोकार्पण किया। पूजा अर्चन कर नारियल फोड़ कर अध्यक्ष डा. अशोक बाजपेई तथा भारत सेवा संस्थान के सभी पदाधिकारीगण ने भवन में प्रवेश किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आरके मित्तल, कुलपति बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दीप प्रज्वलन कर तथा चंद्रभानु गुप्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भारत सेवा संस्थान के सदस्य एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एसपी सिंह ने सभी अतिथिगणों का स्वागत किया गया।

उन्होंने कहा कि यह लॉ कॉलेज एक दिन इतने मेधावी अधिवक्ताओं को तैयार करेगा और अपनी गुणवत्ता के लिए पूरे देश में जाना जाएगा। कार्यक्रम में भारत सेवा संस्थान के सभी पदाधिकारी गण मौजूद रहे। भारत सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष अरुण कुमार महामंत्री डा. जेएन मिश्रा, सदस्य नरेंद्र मणि त्रिपाठी, राजेश अग्रवाल, मोतीलाल मेमोरियल सोसायटी के महासचिव राजेश सिंह, सदस्य राजेश अग्रवाल, शैलेश त्रिपाठी, मोनिका भौनवाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेंद्र भौनवाल, पूर्व आइएएस, एमसी भट्ट, लॉ कॉलेज के प्राचार्य ताज मोहम्मद, सीबी गुप्ता, बीएसएस महाविद्यालय की प्राचार्य डा. सुधा बाजपेई, अजीत शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गरिमा ने किया।

संक्षेप

कुएं में गिरने से युवक की हुई मौत जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

पुरवा-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में भोरपहर शौच क्रिया के लिये जंगल जा रहे 28 वर्षीय युवक कुवें में गिर गया समय से घर न पहुंचने पर परिजनो को चिन्ता हुई तो खोजबीन शुरू की जहां युवक का शव कुवें मे पड़ा दिखाई दिया माजरा देख परिजनों ने दहाड़े मार कर रोना शुरू कर दिया और घटना की सूचना कोतवाली में दी सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस घटना स्थल पहुंची जहां फायर विकेड पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया जहां कड़ी मसक्कत के बाद शव को कुवें से बाहर निकाला गया! कोतवाली क्षेत्र के नगर मोहल्ला पीर जादी गढ़ी निवासी कृष्ण मुरारी पुत्र राम आसरे ने कोतवाली में दिए पत्र में बताया गया कि 13 जुलाई2026 को मेरा पुत्र अरुन कुमार उर्फ टिल्लू 28 वर्ष जो भोर पहर शौच क्रिया के लिये जंगल गया था जहां कुवें में गिर गया है सूत्रों से पता चला कि अरुन कुमार उर्फ टिल्लू मानसिक रूप से बीमार रहता था वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जरूरी लिखा पढ़ी करते हुए पंचनामें की कार्यवाही पूर्ण कर शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा है वहीं इस सम्बन्ध में कोतवाली प्रभारी भुवन सिंह मौर्या ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाई की जाएगी

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत चार घायल

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई जिसमें चार लोग गंभीर रूप से गए लोग जिन्हें एंबुलेंस के माध्यम से सी एच सी में भर्ती करवाया गया जहां दो कि गंभीर हालत के चलते डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया क्षेत्र के गांव तल्हौरी निवासी सकठू पत्नी बिटाना व पड़ोसी रामरानी के साथ बाइक से सोमवार दोपहर लगभग चार बजे किसी काम से कंधईखेड़ा गए थे।जहां से वापस घर आ रहे थे।तभी बेहटा -मिरींकला मार्ग पर भादिन गांव के पास सामने से आ रहे बाइक सवार मयंक निवासी खत्रीनखेड़ा की बाइक से आमने सामने टक्कर हो गई।जिससे सभी सड़क पर गिरकर घायल हो गए।ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी लाया गया।जहां सकठू व मयंक की हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।जबकि अन्य दोनों घायलों का उपचार सीएचसी में ही चल रहा है।

कानपुर एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश को मिली यातायात की नई पहचान, रक्षा मंत्री और गडकरी ने दिखाई हरी झंडी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और औद्योगिक नगर कानपुर के बीच की दूरी अब महज 40 मिनट में सिमट गई है। सोमवार शाम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संयुक्त रूप से उन्नाव में आयोजित कार्यक्रम में देश के पहले बैरियर-लेस लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ढाई घंटे का सफर 40 मिनट में

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 63 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे यातायात के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। वर्तमान में लखनऊ से कानपुर के बीच की दूरी तय करने में लगभग ढाई से तीन घंटे का समय लगता है, जिसे यह एक्सप्रेस-वे घटाकर मात्र 40 मिनट कर देगा। 4,700 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह परियोजना मंगलवार से आम जनता के लिए खोल दी जाएगी।

देश का पहला बैरियर-लेस एक्सप्रेस-वे

यह देश का पहला ऐसा एक्सप्रेस-वे है जो पूरी तरह से 'बैरियर-लेस' है। इसके निर्माण में सुरक्षा और गति का विशेष ध्यान रखा गया है। एक्सप्रेस-वे पर अधिकतम गति सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। हालांकि, सुरक्षा कारणों से इस मार्ग पर दोपहिया वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

स्मार्ट टोल और हाई-टेक सुरक्षा

एक्सप्रेस-वे पर सफर करना जितना सुखद होगा, टोल भुगतान की प्रक्रिया उतनी ही आसान होगी। यहां टोल प्लाजा पर गाड़ी रोकने की आवश्यकता नहीं होगी। एएनपीआर (ANPR) कैमरे और फास्टैग रीडर तकनीक से लैस यह सिस्टम गाड़ी के गुजरते ही ऑटोमैटिक टोल काट लेगा। इसके अलावा, एआई (AI) आधारित कैमरे पूरे मार्ग की निगरानी करेंगे, जो किसी भी दुर्घटना की स्थिति में तुरंत एनएचएआई (NHAI) कंट्रोल रूम को अलर्ट भेज देंगे, जिससे तत्काल राहत कार्य शुरू किया जा सके।

टोल दरों में बदलाव

अत्याधुनिक तकनीक और समय की बचत को देखते हुए इस मार्ग पर टोल शुल्क पहले की तुलना में अधिक होगा। लखनऊ से कानपुर के बीच कार यात्रा के लिए अब 275 रुपये टोल शुल्क निर्धारित किया गया है, जबकि पुरानी सड़क पर यह शुल्क 95 रुपये था उद्घाटन के पश्चात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया और काफिले के साथ कार द्वारा लखनऊ के लिए प्रस्थान किया। इस एक्सप्रेस-वे के चालू होने से दोनों प्रमुख शहरों के बीच व्यापार, उद्योग और परिवहन को नई गति मिलेगी।

1.5 किलो अवैध गांजा और बाइक समेत एक तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना कोतवाली सदर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के साथ एक आरोपी को दबोचा है। प्रभारी निरीक्षक चन्द्र कान्त मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान काशीराम कॉलोनी, सुदापुरम मोड़ के पास से एक सफेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल संख्या UP 35 AV 7824 पर सवार युवक को रोका गया। तलाशी में उसके पास से 1.500 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी श्याम उर्फ शिवाय पुत्र रामस्वरूप निवासी 90 ईदगाह पत्थर कॉलोनी, मस्जिद के पास, थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव, मूल निवासी चौराहा बिलग्राम, थाना बिलग्राम जनपद हरदोई को गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी के आधार पर कोतवाली सदर में मु0अ0सं0 427/2026 धारा 8/20 NDPS Act के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से कोचिंग जा रही बीए की छात्रा की मौत, परिवार में मातम

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा की जान चली गई। हादसा उस समय हुआ जब छात्रा कोचिंग करके स्कूटी से घर वापस लौट रही थी। जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय संध्या पुत्री ओमप्रकाश निवासी जंगल जहानाबाद, थाना माखी रोजाना उन्नाव आकर कोचिंग करती थी। सोमवार सुबह कोचिंग से लौटते समय माखी के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका के मामा वीरेंद्र कुमार ने बताया कि संध्या पढ़ाई में तेज थी और आगे चलकर परिवार का सहारा बनना चाहती थी। वह पांच बहनों में दूसरे नंबर पर थी। इस दुखद हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों ने सरकार से आर्थिक मदद और मुआवजे की मांग की है। माखी थाना प्रभारी योगेश सिंह ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी है और तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का किया गया जोरदार स्वागत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकास खंड सफीपुर में नवागत खंड शिक्षा अधिकारी मनींद्र कुमार का शिक्षक नेताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर एवं शाल ओढ़ाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। मनींद्र कुमार अब मियागंज ब्लॉक के साथ-साथ सफीपुर विकास खंड की भी जिम्मेदारी संभालेंगे।

ब्लाक संसाधन केंद्र अटवा में आयोजित स्वागत समारोह के दौरान बीईओ मनींद्र कुमार ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका एक शिल्पकार के समान होती है, जो केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, नैतिक मूल्यों और उज्ज्वल भविष्य का भी निर्माण करता है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, प्रेरक और सुविधाप्रदाता के रूप में विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभा को निखारने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि सफीपुर के शिक्षकों ने निरंतर उत्कृष्ट कार्य करते हुए जनपद का नाम गौरवान्वित किया है और भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। शिक्षक नेता संजीव सँखवार एवं अमित तिवारी ने कहा कि सफीपुर ब्लॉक के शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार कर रहे हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों के कारण ब्लॉक का नाम जनपद में अग्रणी स्थान पर बना हुआ है।

स्वागत करने वालो में संजीव सँखवार, अमित तिवारी, बलबीर सिंह, रविकेश, पीयूष त्रिवेदी, अमरेन्द्र सिंह, मनोज कुमार, सौरभ वैश्य, कुलदीप शर्मा, इमरान खान, राजवीर सिंह, शक्ति कुमार, शरद तथा ज्ञानेंद्र कुशवाहा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक बेहद दुखद मामला सामने आया है। चक्कूशहरी गांव निवासी एक 22 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के ही एक आम के बाग में कटहल के पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान मनोज (पुत्र गजराज) के रूप में हुई है। परिजनों ने फोन पर हुई किसी कहासुनी के बाद आत्महत्या की आशंका जताई है।

सुबह बाग में मिला शव

घटना की जानकारी सोमवार सुबह लगभग 8 बजे तब हुई, जब उधर से गुजर रहे राहगीरों ने बाग में शव लटका देखा। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुँच गए। मां विमल और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रविवार शाम से था लापता

परिजनों के अनुसार, मनोज रविवार शाम से ही घर से लापता था, जिसकी तलाश की जा रही थी। मनोज अविवाहित था और घर का छोटा सदस्य था। परिजनों का स्पष्ट आरोप है कि किसी व्यक्ति से फोन पर हुई तीखी बहस के बाद मनोज मानसिक तनाव में था और इसी के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से साफ होगी स्थिति

सूचना पाकर पहुँची हसनगंज कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस द्वारा मृतक के मोबाइल की कॉल डिटेल (CDR) खंगाली जा रही है ताकि उस व्यक्ति की पहचान हो सके जिससे उसकी बातचीत हुई थी। मामले की गहनता से जांच जारी है।

196 वे निशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम पर पूर्व सैनिक का अध्यक्ष बनने पर किया गया सम्मान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कर्म क्रांति सेवा फाउंडेशन (रजिस्टर्ड सामाजिक संस्था) के बैनर तले सोमवार को आयोजित 196वें निशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। भोजन प्राप्त करने वाले सभी लोगों ने संस्था एवं सहयोगियों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं। इसी अवसर पर उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, शेखपुर नरी (उन्नाव) निवासी संजय सिंह का संस्था के संस्थापक अध्यक्ष चेतन मिश्रा, उनकी टीम एवं कर्म क्रांति महिला मोर्चा द्वारा माल्यार्पण कर मुंह मीठा करा कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया इस अवसर पर उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक संस्था की नवगठित टीम का भी परिचय कराया गया, जिसमें संजय सिंह को अध्यक्ष, अजय कुमार द्विवेदी को संरक्षक, संजय कुशवाहा को मीडिया प्रभारी, फौजी दिलीप सिंह को कोषाध्यक्ष तथा नंद कुमार पटेल को संयोजक का दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेतन मिश्रा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कर्म क्रांति सेवा फाउंडेशन भविष्य में उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक संस्था के साथ मिलकर समाजहित एवं जनकल्याण के विभिन्न कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करेगा उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों का अनुशासन, सेवा भावना एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके अनुभवों का लाभ सामाजिक अभियानों में अवश्य मिलेगा। इस अवसर पर कर्म क्रांति सेवा फाउंडेशन के सदस्य नीरज श्रीवास्तव, राकेश कुमार (पप्पू), मनोज कुमार, बसंत सहित अन्य सेवक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया

सड़क हादसे में लोडर चालक की हुई दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ढकिया गांव निवासी एक लोडर चालक की कानपुर नगर में हुए सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव गांव पहुंचा, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। कोतवाली क्षेत्र के ढकिया गांव निवासी संदीप यादव (28) पुत्र प्रताप यादव लीडर चालक था। शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि वह रोज की तरह लोडर में आम लादकर कानपुर के चकरपुर मंडी जा रहा था। इसी दौरान कानपुर नगर के गुजैनी थाना क्षेत्र में किसी अज्ञात वाहन ने उसके लोडर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया।स्थानीय लोगों की सूचना पर उसे तत्काल कानपुर के हैलट अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजन कानपुर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराया और रविवार को परिजनों को सौंप दिया।रविवार शाम करीब तीन बजे शव जैसे ही ढकिया गांव पहुंचा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां रामजानकी अपने बेटे का शव देखकर बेसुध हो गईं। ग्रामीणों ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।संदीप पांच भाइयों में चौथे स्थान पर था। उसके बड़े भाई प्रदीप दिव्यांग हैं, जबकि अन्य भाइयों में आशू, सुदीप और कुलदीप शामिल हैं। उसकी असमय मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

ऊबड़ खाबड़ मार्ग से ग्राम वासियों का निकलना बनी मुसीबत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा मौरावां मोहनलालगंज मार्ग पर भवानीगंज से डेला बसुनोहा मार्ग जो लगभग 15 किलोमीटर है इस मार्ग पर बरैठा , दीवान खेडा , खेरवा , देवमई ,जुगराजपुर ,बचोलिया , डे ला ,बसुनोहा सहित अन्य गान पड़ते है ,इनगांवो की लगभग दस हजार की आबादी सहित अन्य गांवों के लोग भी पुरवा तहसील जाने के लिये इसीमार्ग का उपयोग करते है ,परन्तु वर्तमान समय मे उक्त मार्ग चलने लायक नही रह गया , खास कर जुराखनखेड़ा से बसुनोहा तक लगभग दो किलोमीटर मार्ग तो चलने ही लायक नही रह गया ।त्रिलोकपुर प्रधान प्रतिनिधि सुनील यादव ने कई बार जिलाधिकारी व पी डबलू डि के जे ई आनन्द कुमार को लिखित व मौखिक रूप से इस समस्या से अवगत कराया परन्तु आज तक मार्ग का दुरुस्तीकरण नही हो सका । त्रिलोकपुर के ग्रामीण सन्दीपकुमार ,दिनेश कुमार ,बसुनोहा के सोनेलाल, अमित कुमार ,देला के सीलू, प्रदीप कुमार , खेरवा के प्रेमशंकर , दीपक , देवमई के अनुराग, पथिक पांडेय ,जुगराजपुर के कमलेशकुमार ,पप्पू लोधी आदि ने बताया कि वर्षों बीत गए उक्त मार्ग पर दोबारा कार्य नही हुआ ,जिसके चलते जगह जगह मार्ग ही समाप्त हो गया ।

बसपा छोड़ कांग्रेस पार्टी की ली सदस्यता

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं उत्तर प्रदेश एग्रो के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय नत्थू सिंह के पुत्र जयविंद सिंह ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का दामन छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। लखनऊ स्थित कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

विगत हो विकास खण्ड सुमेरपुर की ग्राम पंचायत सराय मनिहार निवासी जयविन्द सिंह करीब एक दशक तक बसपा की राजनीति में सक्रिय रहे ।जयविंद सिंह ने कहा कि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निदेशों के अनुरूप भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

जयविंद सिंह के कांग्रेस में शामिल होने पर विधानसभा क्षेत्र के उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल है।इस अवसर पर उनके साथ पप्पू सिंह (धनकोली), इबरार खान, विनय पाल, कंचन सिंह, शक्ति सिंह भदौरिया, अर्पित सिंह, अंशु सोनी, शिवम यादव (छेड़ाखेड़ा), जीतू सिंह, महेंद्र सिंह (सराय), राय सिंह, आकाश सिंह 'हैप्पी', रंजीत चौधरी, दुर्गेश यादव, दयाराम (दूबेपुर), भगवंत सिंह एवं अरविंद सिंह सहित दर्जनों समर्थकों ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की या उनके साथ कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जयविंद सिंह के कांग्रेस में आने से भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र की राजनीतिक गतिविधियों में नई चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं ने उनके आगमन का स्वागत करते हुए संगठन को इसका लाभ मिलने की उम्मीद जताई।

बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: सफीपुर, सदर और हसनगंज समेत कई एसडीएम बदले गए

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा रविवार देर रात किए गए बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत 182 पीसीएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है, जिसका असर उन्नाव जिले पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। शासन ने जिले में लंबे समय से तैनात कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला करते हुए उनके स्थान पर नए अधिकारियों की तैनाती की है।

स्थानांतरित अधिकारियों का विवरण:

शासन की तबादला सूची के अनुसार, उन्नाव विकास प्राधिकरण (UDA) के सचिव शुभम यादव को बुलंदशहर भेजा गया है। वहीं, जिले की प्रशासनिक इकाइयों में बड़ा बदलाव करते हुए हसनगंज की एसडीएम प्रज्ञा पाण्डेय को बाराबंकी, सदर एसडीएम क्षितिज द्विवेदी को देवरिया, सफीपुर एसडीएम शिवेंद्र वर्मा को भदोही और पुरवा एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव को कौशांबी स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा, पीसीएस अधिकारी प्रशांत नायक को बहराइच की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिले में आए नए अधिकारी:

शासन ने रिक्त पदों को भरने के लिए नए अधिकारियों की तैनाती की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इसके तहत अजेंद्र सिंह (कौशांबी से) और यादवेंद्र सिंह बैस (कानपुर से) को उन्नाव स्थानांतरित किया गया है। साथ ही, लखनऊ से कहकन्सा जहां को उन्नाव में नई जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यह स्थानांतरण शासन की स्थानांतरण नीति के अनुरूप उन अधिकारियों के लिए किया गया है जिनका कार्यकाल पूर्ण हो चुका था। इन अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिले की प्रशासनिक व्यवस्था में नई गति आने की संभावना है। संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द अपने नए तैनाती स्थलों पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

खाद आपूर्ति न होने पर किसानों ने काटा हंगामा

नरैनी सहकारी समिति के सचिव पर किसानों ने लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के विजयीपुर विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत स्थापित नरैनी में सहकारी खाद समिति में खाद की उपलब्धता न होने पर किसानों ने जमकर हंगामा काटा सहकारी समिति पहुंचे लगभग आधा सैकड़ा से अधिक किसानों ने समिति के सचिव भगवत प्रसाद के ऊपर अपनी मनमानी चलाने का आरोप लगाया जहां किसानों ने बताया कि विगत दिवस शनिवार को समिति में खाद की गाड़ी पहुंची तथा वितरण की सूचना किसानों को दी गई एक निश्चित दिवस के आधार पर किसान कल सरकारी समिति पहुंचे जहां समिति में ताला बंद मिला कई घंटे तक इंतजार करने के पश्चात भी सचिव भगवत प्रसाद मौके पर नहीं पहुंचे जिसे देख किसानों में आक्रोश फूट पड़ा मौके पर मौजूद किसान राजेश मौर्य श्याम जी दुबे कौशल सिंह सुशील सिंह राजू तिवारी आशीष दुबे सुनील पासवान अभिषेक सिंह समेत आधा सैकड़ा से अधिक किसानों ने सचिव के ऊपर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा वही बताया कि सुदूर क्षेत्र से आने वाले किसानों को अधिकतर समिति में सचिव द्वारा वापस कर दिया जाता है किसान अपने खेतों का काम छोड़कर आता है परंतु यहां सचिव अपनी मनमानी करते हुए किसानों को वापस कर देता है

क्या बोले सहकारी समिति के सचिव

इस बारे में जानकारी लेने पर समिति के सचिव भगवत प्रसाद ने जानकारी दी कि तकनीकी समस्याओं के कारण वितरण मशीन में खाद की मात्रा नहीं चढ पाई जिसके कारण कल सोमवार को वितरण नहीं हो पाया वही सभी किसानों को आज वितरण किया जाएगा

सम्पादकीय

ई20 पेट्रोल से होने वाला लाभ वाहन चालकों को क्यों नहीं ?

सरकार ने आखिरकार यह स्वीकार कर लिया है, जिसकी चर्चा लंबे समय से वाहन उपभोक्ताओं और ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों के बीच होती रही थी। पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता यानी माइलेज को 3 से 5 प्रतिशत तक कम कर सकता है। सरकार का कहना है कि यह कमी बेहतर इंजन प्रदर्शन, कम प्रदूषण और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने जैसे दीर्घकालिक लाभों के सामने छोटी है। दरअसल ई20 को लेकर विवाद का केंद्र केवल माइलेज नहीं है, बल्कि यह सवाल भी है कि क्या ऊर्जा सुरक्षा के नाम पर उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। पहली बार आधिकारिक तौर पर यह माना गया है कि माइलेज में कुछ कमी आ सकती है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि ई20 का उद्देश्य पेट्रोल सस्ता करना नहीं, बल्कि देश की ऊर्जा अर्थव्यवस्था को अधिक आत्मनिर्भर बनाना है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में जैव-ईंधन (बायोफ्यूल) की ओर बढ़ना केवल पर्यावरणीय विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। इसी सोच के तहत वर्ष 2001 में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। 2022 में भारत ने निर्धारित समय से पहले 10 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल किया और 2025-26 में 20 प्रतिशत मिश्रण तक पहुंच गया। इस कार्यक्रम से अब तक लगभग 1.97 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और लगभग 952 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम हुआ है। साथ ही किसानों को एथेनॉल खरीद के माध्यम से 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। इससे ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आय जैसे तीनों लक्ष्यों को एक साथ साधने का काम किया है। क्या इन उपलब्धियों का लाभ सीधे वाहन मालिकों तक भी पहुंच रहा है? यही सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। यदि किसी वाहन का माइलेज 3 से 5 प्रतिशत कम होता है, तो वाहन चालक को समान दूरी तय करने के लिए अधिक ईंधन खरीदना पड़ेगा। यदि पेट्रोल की कीमत में कोई राहत नहीं मिलती और ई20 पारंपरिक पेट्रोल से सस्ता भी नहीं है, तो उपभोक्ता के लिए वास्तविक परिचालन लागत बढ़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब कच्चा तेल सस्ता होता है, तब एथेनॉल की लागत पेट्रोल से अधिक भी हो सकती है। इसका अर्थ है कि ई20 को केवल सस्ते ईंधन के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि ई20 को लेकर वाहन सुरक्षा संबंधी आशंकाएं व्यापक परीक्षणों के बाद ही दूर की गई हैं। यदि ई20 एक राष्ट्रीय रणनीति है, जिसका लाभ पूरे देश को मिलेगा, तो क्या उसका आर्थिक भार केवल वाहन उपभोक्ताओं को उठाना चाहिए? क्या सरकार को कर संरचना, मूल्य निर्धारण या अन्य प्रोत्साहनों के माध्यम से इस अतिरिक्त लागत का कुछ हिस्सा स्वयं वहन नहीं करना चाहिए? इसी प्रकार, यदि माइलेज में कमी वैज्ञानिक तथ्य है, तो इसकी स्पष्ट जानकारी वाहन खरीदते समय उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किसी भी बड़े सुधार की सफलता केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन और जनता की स्वीकृति से तय होती है। यदि देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, तो इस यात्रा में नागरिकों का विश्वास भी उतना ही आवश्यक है जितना उनका योगदान। ऊर्जा परिवर्तन तभी टिकाऊ होगा, जब उसका लाभ और उसकी लागत दोनों समाज के सभी वर्गों के बीच संतुलित रूप से साझा किए जाएं।

समुद्र पर बनेगा भारत का हवाई अड्डा

आर्थिकी
महेन्द्र तिवारी

महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के निकट पालघर जिले के कोरे बीच के पास भारत का पहला ऑफशोर अर्थात समुद्र आधारित हवाई अड्डा विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यदि यह परियोजना निर्धारित योजना के अनुसार साकार होती है तो यह केवल एक नया एयरपोर्ट नहीं होगा, बल्कि भारत की विमानन क्षमता, समुद्री इंजीनियरिंग, व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास का नया प्रतीक बनेगा। यह परियोजना देश को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा कर सकती है, जिन्होंने समुद्र से भूमि तैयार कर विश्वस्तरीय हवाई अड्डों का निर्माण किया है।

भारत की आर्थिक प्रगति का सबसे बड़ा आधार उसकी आधुनिक अवसंरचना है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने सड़क, रेल, बंदरगाह, मेट्रो, एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डों के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार देखा है। अब इसी शृंखला में एक और ऐतिहासिक पहल जुड़ने जा रही है। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के निकट पालघर जिले के कोरे बीच के पास भारत का पहला ऑफशोर अर्थात समुद्र आधारित हवाई अड्डा विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यदि यह परियोजना निर्धारित योजना के अनुसार साकार होती है तो यह केवल एक नया एयरपोर्ट नहीं होगा, बल्कि भारत की विमानन क्षमता, समुद्री इंजीनियरिंग, व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास का नया प्रतीक बनेगा। यह परियोजना देश को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा कर सकती है, जिन्होंने समुद्र से भूमि तैयार कर विश्वस्तरीय हवाई अड्डों का निर्माण किया है। ऑफशोर एयरपोर्ट का विचार अपने आप में अत्यंत आधुनिक और दूरदर्शी है। सामान्यतः हवाई अड्डे विशाल भूमि पर बनाए जाते हैं, लेकिन महानगरों में भूमि की उपलब्धता लगातार कम होती जा रही है।

बढ़ती आबादी, तेजी से फैलते शहर और भूमि अधिग्रहण से जुड़ी सामाजिक तथा कानूनी चुनौतियां नई परियोजनाओं को कठिन बना देती हैं। ऐसे में समुद्र के भीतर कृत्रिम भूमि तैयार कर उस पर एयरपोर्ट का निर्माण एक व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरा है। अरब सागर में पुनः प्राप्त भूमि पर बनने वाला यह एयरपोर्ट भारतीय इंजीनियरिंग क्षमता की नई पहचान बनेगा। प्रस्तावित एयरपोर्ट की क्षमता इसे विश्व के प्रमुख हवाई अड्डों की श्रेणी में ला सकती है। योजना के अनुसार यहां प्रतिवर्ष लगभग 9 करोड़ यात्रियों के आवागमन और लगभग 30 लाख मीट्रिक टन कार्गो की आवाजाही की व्यवस्था होगी। दो समानांतर रनवे विकसित किए जाने की भी योजना है, जिससे बड़ी संख्या में विमानों का संचालन संभव हो सकेगा। यह क्षमता केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नहीं बल्कि आने वाले कई दशकों की मांग को ध्यान में रखकर निर्धारित की गई है। भारत में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और यह परियोजना भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की जा रही है। मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी है। यहां स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के बावजूद भविष्य में यात्रियों और माल परिवहन की बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता महसूस की जा रही है। प्रस्तावित ऑफशोर एयरपोर्ट इस चुनौती का दीर्घकालिक समाधान बन सकता है। इससे न केवल मुंबई क्षेत्र के हवाई यातायात का दबाव कम होगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और माल परिवहन के लिए भी नई संभावनाएं खुलेंगी। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुआयामी संपर्क तंत्र है। प्रस्तावित एयरपोर्ट को वधावन बंदरगाह, मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल, मुंबई वडोदरा एक्सप्रेसवे तथा प्रस्तावित उत्तन विरार सी लिंक से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त समर्पित माल

गलियारे और अन्य सड़क संपर्क भी विकसित किए जाएंगे। इससे हवाई, समुद्री, रेल और सड़क परिवहन का ऐसा समन्वित नेटवर्क तैयार होगा जो भारत में मल्टीमॉडल परिवहन का उत्कृष्ट उदाहरण बन सकता है। वधावन बंदरगाह स्वयं भारत की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री परियोजनाओं में गिना जा रहा है। यदि उसके साथ विशाल कार्गो क्षमता वाला एयरपोर्ट भी विकसित हो जाता है तो पश्चिमी भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार का नया केंद्र उभर सकता है। समुद्री मार्ग से आने वाला माल कम समय में हवाई मार्ग से देश और विदेश भेजा जा सकेगा। हवाई मार्ग से आने वाला उच्च मूल्य का सामान सीधे बंदरगाह तक पहुंचाया जा सकेगा। इससे निर्यात और आयात दोनों क्षेत्रों को गति मिलेगी तथा वैश्विक आपूर्ति शृंखला में भारत की भूमिका और मजबूत होगी। स्थानीय युवाओं को निर्माण, विमानन, आतिथ्य, सुरक्षा, परिवहन और तकनीकी सेवाओं में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इससे क्षेत्रीय आर्थिक असंतुलन भी कम हो सकता है। इतनी विशाल परियोजना के साथ कई तकनीकी और पर्यावरणीय चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। समुद्र से भूमि तैयार करना अत्यंत जटिल इंजीनियरिंग कार्य है। किसी भी बड़े विकास कार्य में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के सिद्धांतों का पालन अनिवार्य है। यदि इन पहलुओं की अनदेखी की गई तो दीर्घकाल में परियोजना को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य से इस्पात, सीमेंट, मशीनरी, इंजीनियरिंग, परिवहन और निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना पूर्ण होने के बाद विमानन, पर्यटन, व्यापार, ई कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और निर्यात आधारित उद्योगों में नई ऊर्जा आएगी। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह क्षेत्र अधिक आकर्षक बन सकता है क्योंकि आधुनिक परिवहन अवसंरचना निवेश का सबसे महत्वपूर्ण आधार होती है। इससे महाराष्ट्र के साथ साथ पूरे पश्चिमी भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। भारत ने पिछले दशक में विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। छोटे शहरों तक हवाई सेवाएं पहुंचाने की योजनाओं से लेकर नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के निर्माण तक अनेक प्रयास किए गए हैं। आज भारत विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में शामिल है। ऐसे समय में ऑफशोर एयरपोर्ट जैसी परियोजना यह संकेत देती है कि देश केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने तक सीमित नहीं रहना चाहता बल्कि भविष्य की मांग को ध्यान में रखकर दीर्घकालिक योजना बना रहा है। हालांकि परियोजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि योजना निर्माण से लेकर क्रियान्वयन तक सभी चरणों में पारदर्शिता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। स्थानीय समुदायों की चिंताओं को समझना, पर्यावरणीय प्रभावों का निष्पक्ष मूल्यांकन करना, वित्तीय अनुशासन बनाए रखना और समयबद्ध निर्माण करना उतना ही महत्वपूर्ण होगा जितना स्वयं एयरपोर्ट का निर्माण। यदि इन सभी पहलुओं पर संतुलित ढंग से कार्य किया गया तो यह परियोजना केवल महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए विकास का नया मॉडल बन सकती है। भारत आज उस दौर में प्रवेश कर चुका है जहां अवसंरचना केवल सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का आधार बन चुकी है। पालघर के समुद्र में प्रस्तावित यह ऑफशोर एयरपोर्ट उसी बदलते भारत की कहानी कहता है जो सीमित संसाधनों में भी नए समाधान खोजने का साहस रखता है। यदि यह सपना साकार होता है तो यह केवल समुद्र पर बना एक हवाई अड्डा नहीं होगा, बल्कि भविष्य के भारत की दूरदृष्टि, तकनीकी क्षमता और विकास के संकल्प का जीवंत प्रतीक बनकर उभरेगा।

जनसंख्या दिवस
राजेश जैन

148 करोड़ लोगः भारत की सबसे बड़ी ताकत या चुनौती

आज के दिन 11 जुलाई को हर साल विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया की बढ़ती आबादी के आंकड़ों की चर्चा का अवसर बनता है, लेकिन भारत के लिए इसका महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल जनसंख्या गिनने का दिन नहीं, बल्कि यह सोचने का अवसर है कि क्या देश अपनी सबसे बड़ी मानव पूंजी को विकास की ताकत बना पाएगा या यही आबादी भविष्य में सबसे बड़ी चुनौती बन जाएगी। आज भारत लगभग 148 करोड़ लोगों के साथ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। एक वर्ग इसे देश की सबसे बड़ी शक्ति मानता है, जबकि दूसरा इसे बेरोजगारी, संसाधनों पर बढ़ते दबाव और सामाजिक असमानता की वजह मानता है। सच यह है कि आबादी अपने आप में न ताकत होती है और न बोझ। उसकी दिशा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और रोजगार तय करते हैं। किसी भी देश की वास्तविक ताकत उसके नागरिकों की गुणवत्ता से तय होती है। यदि लोग शिक्षित, स्वस्थ और कुशल हैं तो बड़ी आबादी आर्थिक विकास का इंजन बन जाती है। कमजोर शिक्षा, सीमित रोजगार और खराब स्वास्थ्य व्यवस्था उसी आबादी को विकास में बाधा बना देती है। चीन ने दशकों तक प्रशिक्षित कार्यबल के दम पर दुनिया की फैक्ट्री बनने का गौरव हासिल किया, लेकिन आज वहां तेजी से बढ़ती वृद्ध आबादी नई चुनौती बन गई है। भारत की स्थिति अलग है। यहां औसत आयु लगभग 29 वर्ष है और करीब 65 प्रतिशत आबादी कार्यशील आयु वर्ग में है। हमारे लिए यह जनसांख्यिकीय लाभांश यानी डेमोग्राफिक डिविडेंड है, लेकिन यह अवसर स्थायी नहीं है। यदि आने वाले वर्षों में शिक्षा, कौशल और रोजगार पर पर्याप्त निवेश नहीं हुआ तो यही लाभांश भविष्य में आर्थिक और सामाजिक दबाव में बदल सकता है। भारत केवल आबादी के लिहाज से बड़ा नहीं है, बल्कि दुनिया के सबसे आकर्षक उपभोक्ता बाजारों में भी शामिल है। यही वजह है कि वैश्विक कंपनियां भारत को अगले दो दशकों का सबसे महत्वपूर्ण बाजार मान रही हैं। डिजिटल इंडिया और यूपीआई जैसी पहलों ने इस क्षमता को नई गति दी है। इंटरनेट गांवों तक पहुंचा है, डिजिटल भुगतान आम हो चुका है और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। इन उपलब्धियों के बावजूद एक बड़ी चुनौती सामने है। हर साल लाखों युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं, लेकिन उद्योगों को योग्य कर्मचारी नहीं मिलते और युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप रोजगार नहीं मिलता। समस्या केवल नौकरियों की संख्या नहीं, बल्कि रोजगार योग्य कौशल की भी है। यहीं सरकार की नीतियों की असली परीक्षा शुरू होती है। पिछले एक दशक में नई शिक्षा नीति, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आयुष्मान भारत जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की गईं। इनसे नए अवसर जरूर बने हैं, लेकिन अपेक्षित परिणाम अभी पूरी तरह सामने नहीं आए हैं।

नई शिक्षा नीति कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी, डिजिटल संसाधनों का अभाव और राज्यों के बीच असमानताएं इसकी राह कठिन बनाती हैं। स्किल इंडिया ने प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाया है, लेकिन उद्योगों और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल अभी भी जरूरी है। स्टार्टअप इंडिया ने नवाचार को बढ़ावा दिया है, हालांकि इसका लाभ अभी मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित है। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत को भी इस बदलाव से जोड़ना होगा। इतनी बड़ी आबादी वाले देश के लिए मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था अनिवार्य है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने लाखों परिवारों को राहत दी है, लेकिन ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं, डॉक्टरों की उपलब्धता, कुपोषण और मानसिक स्वास्थ्य जैसी चुनौतियां अभी भी गंभीर हैं। इसी तरह महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाए बिना भारत अपनी पूरी क्षमता हासिल नहीं कर सकता। भारत के लिए अगले 20 से 25 वर्ष निर्णायक हैं। 148 करोड़ लोगों का देश होना न उपलब्धि है और न समस्या। असली सवाल यह है कि इन लोगों में कितने शिक्षित, स्वस्थ, कुशल और उत्पादक हैं।

मुंह के मौन से ज्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

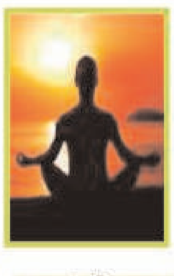

संकलित
दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदाहरण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

एक दिन का पुण्य ही क्यूं

संकलित
प्रेरणा

निर्जला एकादशी से अगले दिन एक भिखारी एक सज्जन की दुकान पर भीख मांगने पहुंचा। सज्जन व्यक्ति ने 1 रुपए का सिक्का निकाल कर उसे दे दिया। भिखारी को प्यास भी लगी थी, वो बोला बाबूजी एक गिलास पानी भी पिलवा दो, गला सूखा जा रहा है। सज्जन व्यक्ति ने गुस्से में कहाः तुम्हारे बाप के नौकर बैठे हैं क्या हम यहां, पहले पैसे, अब पानी, थोड़ी देर में रोटी मांगेगा, चल भाग यहां से। भिखारी बोलाः बाबूजी गुस्सा मत कीजिए मैं आगे कहीं पानी पी लूंगा। पर जहां तक मुझे याद है, कल आपने निर्जला एकादशी व्रत कथा का पाठ किया था, तथा कल इसी दुकान के बाहर मीठे पानी की छबील लगी थी और आप स्वयं लोगों को रोक रोक कर जबरदस्ती अपने हाथों से गिलास पकड़ा रहे थे, मुझे भी कल आपके हाथों से दो गिलास शर्बत पीने को मिला था। मैंने तो यही सोचा था, आप बड़े धर्मात्मा आदमी है, पर आज मेरा भरम टूट गया। कल की छबील तो शायद आपने लोगों को दिखाने के लिए लगाई होगी? मुझे आज आपने कड़वे वचन बोलकर अपना कल का सारा पुण्य खो दिया। मुझे छमा करना अगर मैं कुछ ज्यादा बोल गया हूं तो। सज्जन व्यक्ति को बात दिल पर लगी, उसकी नजरों के सामने बीते दिन का प्रत्येक दृश्य घूम गया। उसे अपनी गलती का अहसास हो रहा था। वह स्वयं अपनी गद्दी से उठा और अपने हाथों से गिलास में पानी भरकर उस बाबा को देते हुए उसे क्षमा प्रार्थना करने लगा। भिखारीः बाबूजी मुझे आपसे कोई शिकायत नही, परन्तु अगर मानवता को अपने मन की गहराइयों में नहीं बसा सकते तो एक-दो दिन किए हुए पुण्य कार्य व्यर्थ ही हैं।

सटाका

आज की पाती

स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन से होगा हरित रेल क्रांति का आगाज

भारतीय रेल केवल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन तंत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति की जीवनरेखा भी है। लगभग डेढ़ शताब्दी पहले भाप के इंजनों से शुरू हुई इसकी यात्रा आज अत्याधुनिक तकनीकों के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। वंदे भारत, अमृत भारत, समर्पित माल गलियारे 'कवच' जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली और व्यापक विद्युतीकरण के बाद अब भारतीय रेल हाइड्रोजन फ्यूल-सेल तकनीक के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर खड़ी है। विगत दिनों दिल्ली-जींद रेलखंड पर स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का सफल परीक्षण इस बात का संकेत है कि भारत हरित, आत्मनिर्भर और भविष्य उन्मुख रेल व्यवस्था की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

-सरिता कुमारी, झज्जर

ट्रेंड

भारत-न्यूज़ीलैंड की दोस्ती

नाद वोकल एन्सेम्बल की शानदार प्रस्तुति देखकर बहुत खुशी हुई। संगीत में लोगों को एक साथ लाने की अनोखी क्षमता होती है और आज की प्रस्तुति ने भारत-न्यूज़ीलैंड की दोस्ती की गर्मजोशी और गहराई को खूबसूरती से दर्शाया।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रेड्डी का गणित कमजोर

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का गणित कमजोर है। वे बार-बार कहते हैं कि केंद्र ने कुछ नहीं दिया। कांग्रेस के ये लोग बस एक ही बात दोहराते हैं: वे खुद कुछ कमा नहीं सकते और दूसरों का सहारा लेना बंद नहीं करेंगे! हिमाचल प्रदेश में भी ये यही करते हैं।

- जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

16 पार्षद भाजपा में शामिल

आज दिल्ली की प्रगति और जनसेवा के संकल्प को नई मजबूती मिली है। इंद्रप्रस्थ डेवलपमेंट पार्टी के सोलह पार्षद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। पार्षदों का यह निर्णय राजधानी के विकास कार्यों को नई गति देगा।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

अप्रेंटिसशिप जरूरी

अब भारत में अप्रेंटिसशिप की बड़े पैमाने पर वापसी के लिए सही समय आ गया है। मैन्युफैक्चरिंग हमारे लिए बहुत जरूरी है। और एआई व नई टेक्नोलॉजी के आने के साथ, 'काम करते हुए सीखना' ही आगे बढ़ने का सही रास्ता है।

- अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

10 लाख महिलाओं को मदद मिलनी बंद हो गई : संरा

महिलाओं के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 18 महीनों में बजट में कटौती के कारण कम से कम 10 लाख महिलाओं को मानवीय और अन्य जरूरी मदद नही मिल पा रही है। एजेंसी 'यूएन वीमेन' का कहना है कि सर्वेक्षण में शामिल 84 प्रतिशत महिला संगठनों ने बताया है कि जनवरी 2025 से उनकी जरूरतें बढ़ गई हैं। इसी समय अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभाली थी और विदेशी मदद में कटौती शुरू की थी। अमेरिका संयुक्त राष्ट्र को सबसे ज्यादा वित्तीय सहायता देने वाला देश है।

ऑफ बीट

युवाओं में बढ़ रहा कम उम्र में जुए की लत का खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं में कम उम्र में जुए की लत लगने का खतरा बढ़ रहा है और इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को जुए के विज्ञापनों और उद्योग पर कड़े नियंत्रण लगाने के साथ-साथ परिवारों को भी बच्चों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना होगा। अध्ययन के अनुसार आठ प्रतिशत से अधिक वयस्क किसी न किसी रूप में जुए के दुष्प्रभावों से प्रभावित है, जबकि लगभग एक प्रतिशत वयस्क अत्यधिक जोखिम वाले स्तर पर जुआ खेलते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं पर विशेष रूप से जुए की लत का जोखिम है।

संक्षेप

मिहींपुरवा सीओ बने पहुंप सिंह, प्रद्युम्न सिंह का हुआ तबादला

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने पांच पुलिस क्षेत्राधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है।जिसमें मिहींपुरवा में तैनात पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रद्युमन सिंह का तबादला हो गया है वही नानपारा में तैनात रहे सीओ पहुंप सिंह को सीओ मिहींपुरवा बनाया गया है। वही गैर जनपद से आए चित्रांशू गौतम को नानपारा का नया सीओ बनाया गया है।इसके साथ ही राज सिंह, अमित प्रताप सिंह के भी कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है।

थाना समाधान दिवस में उमड़ी जमीन विवादों की फाइलें

रास्ते पर अतिक्रमण से लेकर मेड़ विवाद तक 8 शिकायतें

अमेठी कृकमरौली थाना परिसर में आयोजित थाना समाधान दिवस एक बार फिर जमीन और चकबंदी विवादों के इर्द-गिर्द सिमटा नजर आया। शनिवार को कुल आठ शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें अधिकांश भूमि विवाद, सार्वजनिक रास्ते पर कथित अतिक्रमण और खेत की मेड़ को लेकर थीं। उपजिलाधिकारी नितेश राज ने स्वयं शिकायतों की समीक्षा की और राजस्व व पुलिस अधिकारियों को संयुक्त रूप से मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। भूमि विवादों ने घेरा समाधान दिवस थाना समाधान दिवस में सबसे अधिक शिकायतें भूमि और चकबंदी से जुड़ी रहीं। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनने के बाद स्पष्ट किया कि प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।उद्देश्य यह है कि छोटे विवाद बड़े संघर्ष में न बदलें और लोगों को समय पर न्याय मिल सके।सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण का मुद्दा उठापूरे हरिलाल तिवारी और पलिया पश्चिम के ग्रामीणों ने सार्वजनिक रास्ते पर कथित अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग उठाई।ग्रामीणों का कहना था कि रास्ता बाधित होने से आवागमन में दिक्कत हो रही है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी नितेश राज ने राजस्व टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया।

बेटे पर मां और भाभी को पीटने का आरोप

अमेठी में जमीनी विवाद में रिश्तों में हिंसक झड़प

अमेठी,जमीन की मेड़ को लेकर शुरू हुआ पारिवारिक विवाद हिंसा में बदल गया। संडिला शिवगढ़ गांव में एक बेटे पर अपनी मां और भाभी के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मेड़ के विवाद से शुरू हुआ झगड़ा कोतवाली अमेठी क्षेत्र के संडिला शिवगढ़ गांव निवासी मन्नू देवी, पत्नी स्वर्गीय जंग बहादुर यादव, ने पुलिस बेटे संदीप यादव का जमीन की मेड़ को लेकर छोटे बेटे प्रदीप कुमार की पत्नी पूजा से विवाद हो गया।

जगद्गुरु शंकराचार्य की -गविषि यात्रा- कैसरगंज पहुंची, गौमाता के सम्मान और संरक्षण के लिए समाज से किया एकजुट होने का आह्वान

परमहंस डिग्री कॉलेज में हुआ भव्य स्वागत, बोले गोरक्षा केवल धार्मिक नहीं, राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा का अभियान

अमन लेखनी समाचार

सिराज अली कादरी

कैसरगंज, बहराइच। परमधमार्धीश जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिषपीठाधीश्वर स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज की 81 दिवसीय -गविषि (गोरक्षार्थ-धर्मयुद्ध) यात्रा- सोमवार को कैसरगंज विधानसभा क्षेत्र पहुंची।यात्रा के आगमन पर क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।परमहंस डिग्री कॉलेज परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायक आनंद यादव ने क्षेत्रवासियों के साथ जगद्गुरु शंकराचार्य का पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं आरती कर भव्य अभिनंदन किया। कार्यक्रम स्थल पर धार्मिक जयघोषों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर शंकराचार्य के दर्शन किए तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अपने उद्बोधन में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि गौसंरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, ग्रामीण आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है।उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से गौमाता की सेवा, संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि -गविषि यात्रा- का उद्देश्य देशभर में जन-जन को गोरक्षा के प्रति जागरूक करना, गौमाता को राष्ट्र माता का सम्मान दिलाने के लिए व्यापक जनसमर्थन तैयार करना तथा समाज को एकजुट करना है।उन्होंने कहा कि जब तक समाज स्वयं इस विषय को अपना दायित्व नहीं मानेगा, तब तक गौसंरक्षण का उद्देश्य पूरी तरह सफल नहीं हो सकता। इसलिए प्रत्येक नागरिक को इस अभियान का सहभागी बनना चाहिए।शंकराचार्य ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक चेतना का गौमाता से गहरा संबंध है।उन्होंने युवाओं से भी इस अभियान से जुड़ने और समाज में सकारात्मक जनजागरण करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि गोरक्षा का संदेश गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है।इस अवसर पर विधायक आनंद यादव ने जगद्गुरु शंकराचार्य का स्वागत करते हुए कहा कि गौसंरक्षण भारतीय संस्कृति की पहचान है।उन्होंने गोरक्षा अभियान का समर्थन व्यक्त करते हुए गौमाता के संरक्षण-संवर्धन का संकल्प लिया तथा इस जनजागरण अभियान में निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक क्रांति कुमार सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह, प्रधान पवन यादव, अनिल यादव, रामजी यादव, विधायक प्रतिनिधि अभिषेक यादव, राहुल सिंह, कृष्ण कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, श्रद्धा और धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के अंत में जगद्गुरु शंकराचार्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए समाज में सद्भाव, सेवा, संस्कार और गौसंरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। यात्रा के अगले पड़ाव के लिए प्रस्थान से पूर्व श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया।

आईसीपी चौराहे पर धंसी सड़क, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा स्थित ICP चौराहे पर सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गया है, जिससे राहगीरों और भारी वाहनों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। सड़क के बीच बने गहरे गड्ढे और धंसे हिस्से के कारण कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। यह मार्ग अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़ा होने के कारण दिन-रात भारी ट्रकों, बसों और अन्य वाहनों का आवागमन रहता है। बावजूद इसके अभी तक संबंधित विभाग द्वारा मरम्मत या सुरक्षा के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि दुर्घटना होने से पहले सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा चेतावनी संकेत और बैरिकेडिंग लगाई जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

एक लाख से अधिक रुपये की स्मैक के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमा के बाँके जिला पुलिस कार्यालय ने मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक व्यक्ति को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 11 ग्राम 830 मिलीग्राम ब्राउन शुगर जैसा दिखने वाला प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया है।

जिला प्रहरी कार्यालय, बाँके द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 13 जुलाई को बाँके जिले के नेपालगंज उपमहानगरपालिका वार्ड नं0 15 स्थित जमुनाहा क्षेत्र में इलाका प्रहरी कार्यालय जमुनाहा तथा लागू औषध नियन्त्रण ब्यूरो शाखा कार्यालय नेपालगंज की संयुक्त पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान सुर्खेत जिले के वीरेन्द्रनगर नगरपालिका-8 निवासी सूर्य बहादुर रावत को संदेह के आधार पर रोककर तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान उसके पास से 11 ग्राम 830 मिलीग्राम ब्राउन शुगर जैसा प्रतीत होने वाला मादक पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से एक स्कूटर (पंजीकरण संख्या क.प्र.02-003 प 4387) तथा दो अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

बाँके जिला अदालत की अनुमति से आरोपी को मादक पदार्थ संबंधी कानून के तहत 10 दिन की न्यायिक म्याद प्राप्त कर आगे की जांच एवं पूछताछ की जा रही है।

नेपाल पुलिस ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए संयुक्त अभियान लगातार जारी है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैसरगंज में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

हनुमान मंदिर से भाजपा कार्यालय तक हुआ अभिनंदन, संगठन की मजबूती और आगामी रणनीति पर हुई चर्चा

अमन लेखनी समाचार

सिराज अली कादरी

कैसरगंज, बहराइच। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के कैसरगंज आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी और पूरे उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत को लेकर कार्यकताओं में सुबह से ही विशेष उत्साह दिखाई दिया। नगर के प्रमुख हनुमान मंदिर परिसर तथा भाजपा कार्यालय को स्वागत के लिए आकर्षक ढंग से सजाया गया था।जैसे ही प्रदेश अध्यक्ष का काफिला कैसरगंज पहुंचा, भाजपा कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और जयघोष के साथ उनका जोरदार स्वागत किया।पूरे क्षेत्र में भारत माता की जय, वंदे मातरम्‌ और भारतीय जनता पार्टी ज़िंदाबाद के नारों से वातावरण गूंज उठा। हनुमान मंदिर परिसर में प्रदेश अध्यक्ष ने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद भाजपा कार्यालय में आयोजित स्वागत एवं संगठनात्मक बैठक में उन्होंने कार्यकताओं से संवाद करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का आान किया।उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है और संगठन की मजबूती ही पार्टी की निरंतर सफलता का आधार है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है।सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है, जिसके कारण जनता का विश्वास लगातार भाजपा के प्रति मजबूत हुआ है।उन्होंने कार्यकताओं से आगामी चुनावों को देखते हुए अभी से बूथ स्तर पर सक्रिय रहने, जनसंपर्क अभियान तेज करने तथा सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आान किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और प्रदेश अध्यक्ष का कैसरगंज आगमन कार्यकताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह रैदवार ने भी प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन करते हुए संगठन की मजबूती के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में नीरज एडवोकेट, चिकित्सा प्रकोष्ठ के डॉ. अरविंद कुमार सिंह बिशेन सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे समय कार्यकताओं में उत्साह का माहौल बना रहा और प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में जमकर नारेबाजी की गई। कार्यक्रम का समापन प्रदेश अध्यक्ष के आभार व्यक्त करने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ। भाजपा नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश अध्यक्ष का यह दौरा कैसरगंज संगठन के लिए नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करेगा।

घर में घुसकर मारपीट व फायरिंग का आरोप, पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर,कैसरगंज/ बहराइच। कैसरगंज थाना क्षेत्र के कोनारी बंगला गांव निवासी गुलजार बेगम पत्नी नम्मू ने पुलिस अधीक्षक बहराइच को प्रार्थना पत्र देकर गांव के ही कई लोगों पर घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और फायरिंग करने का आरोप लगाया है।

पीड़िता ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।प्रार्थना पत्र के अनुसार, 10 जुलाई 2026 की शाम करीब 7 बजे बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद गांव के कुछ लोग एक राय होकर उनके घर में घुस आए और उनके साथ मारपीट की।पीड़िता का आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंचे उनके पति नम्मू व अन्य परिजनों के साथ भी मारपीट की गई। इतना ही नहीं, एक आरोपी द्वारा लाइसेंसी बंदूक से जान से मारने की नीयत से फायर करने का भी आरोप लगाया गया है।

घटना के दौरान गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात भी प्रार्थना पत्र में कही गई है।पीड़िता का कहना है कि घटना की सूचना थाना कैसरगंज में दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई और एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक से हस्तक्षेप कर मुकदमा दर्ज कराने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

प्रभारी निरीक्षक कैसरगंज का पक्ष और उठते सवाल

इस संबंध में जब थाना प्रभारी कैसरगंज से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा, ₹उनके खिलाफ मुकदमा लिखा गया है, उनको थाने भेजिए।₹ हालांकि, उन्होंने प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों पर कोई विस्तृत जानकारी या आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी।ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब कोई पत्रकार किसी मामले में तथ्यात्मक जानकारी और पुलिस का पक्ष जानने के लिए संपर्क करता है, तो क्या केवल ₹उन्हें थाने भेजिए₹ कहना पर्याप्त जवाब है? जनता तक सही और संतुलित जानकारी पहुंचाने के लिए पुलिस का स्पष्ट एवं आधिकारिक पक्ष सामने आना भी आवश्यक है।

इंस्पेक्टर ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को दी नई उड़ान, दर्जनों पौधे लगाकर दिया हरित संदेश

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। पर्यावरण संरक्षण और मातृशक्ति के सम्मान को जोड़ने वाले ह्यएक पेड़ माँ के नामह्ल अभियान को गुरुवार को कैसरगंज में नई ऊर्जा मिली। थाना प्रभारी राज कुमार पांडेय ने थाना परिसर, बैरक के सामने और थाना क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर दर्जनों छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाकर समाज को हरित रहने का संदेश दिया। पौधरोपण कार्यक्रम की शुरूआत थाना प्रभारी ने बरगद और पीपल का पौधा लगाकर की। इस दौरान उन्होंने कहा कि माँ हमें जन्म देती है और पेड़ हमें जीवन देते हैं।दोनों ही हमारे अस्तित्व का आधार हैं। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए ह्यएक पेड़ माँ के नामह्ल अभियान का उद्देश्य भी यही है कि हम प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें। थाना प्रभारी श्री पांडेय ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान और घटता भूजल हमारे सामने बड़ी चुनौती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल वृक्षारोपण से ही संभव है। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक नागरिक अपनी माँ, दादी या किसी सम्मानित महिला के नाम पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे बड़ा करने की जिम्मेदारी भी ले। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग केवल कानून व्यवस्था ही नहीं बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी भागीदारी निभाएगा। इसी कड़ी में कैसरगंज पुलिस आने वाले दिनों में थाना क्षेत्र के स्कूलों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण अभियान चलाएगी। साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए बीट पुलिस और ग्राम चौकीदारों को भी जिम्मेदारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्दी की जिम्मेदारी सिर्फ गश्त और जांच तक सीमित नहीं है।समाज में सकारात्मक संदेश देना भी हमारी ड्यूटी है। जब पुलिस खुद इस तरह के अभियान में भाग लेगी तो आम जनता भी प्रेरित होगी। पौधरोपण में उप निरीक्षक, हेड कांस्टेबल, सिपाही, होमगार्ड और ग्राम चौकीदारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने नीम, आम, अमरूद, शीशम, सागौन और अशोक के पौधे लगाए। थाना परिसर को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ परिसर में बनी क्यारियों की साफ-सफाई और सिंचाई की व्यवस्था भी की गई। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना की।कई नागरिकों ने थाना प्रभारी के साथ मिलकर पौधे लगाए और कहा कि पुलिस द्वारा शुरू की गई यह मुहिम निश्चित रूप से क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाएगी।इस अवसर पर थाना प्रभारी ने कहा कि ह्यएक पेड़ माँ के नाम केवल एक अभियान नहीं बल्कि एक संकल्प है।यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और हरित धरती मिल सकेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल करने और अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज की 13 वीं बैठक हुई सम्पन्न

सबसे ज्यादा रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं का हुआ सम्मान

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज की 13 वीं बैठक सम्पन्न पडोसी देश नेपाल की बर्दिया जिला की राजापुर मण्डी में नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज केन्द्रीय कार्य समिति की बैठक हुई है ।नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज केन्द्रीय कार्य समिति की तीनझतीन महीने में केन्द्रीय कार्य समिति की बैठक होते आ रही है उसी अनुसार नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज बर्दिया जिला शाखा की आतिथ्य में 13 वीं बैठक विभिन्न प्रकार की निर्णय करके राजापुर बाजार में सम्पन्न हुई है ।इस अवसर पर नेपाल के सर्वाधिक रक्तदाता, राष्ट्रीय रक्तदाता सम्राट, शतक रक्तदाता 187 वीं बार रक्तदान कर चुके नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज केन्द्रीय अध्यक्ष तथा नेपाल रेडक्रस सोसाइटी केन्द्रीय तदर्थ समिति के कोषाध्यक्ष पद में कुछ दिनों पहले नेपाल सरकार की ओर मनोनित हुये प्रेमसागर कमार्चार्य को कार्यक्रम के बीच स्वागत किया गया । बर्दिया जिला के राजापुर नगरपालिका वार्ड नं चार स्थित डायमण्ड होटेल में आयोजन किया स्वागत कार्यक्रम में नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज बर्दिया जिला शाखा के आयोजन और नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज राजापुर नगर समिति के समन्वय में स्वागत किया गया ।नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज बर्दिया जिला शाखा के सचिव श्यामलाल थारु प्रतीकद्वारा सञ्चालित बर्दिया जिला शाखा के अध्यक्ष तथा केन्द्रीय सदस्य प्रेम प्रसाद लम्साल के अध्यक्षता में सम्पन्न वह कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि तथा राजापुर नगरपालिका के नगर प्रमुख दिपेश थारु ने नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष तथा नेपाल रेडक्रस सोसाइटी केन्द्रीय तदर्थ समिति के कोषाध्यक्ष प्रेमसागर कमार्चार्य को दोसल्ला ओढाकर और उपझ नगर प्रमुख मनकला चौधरी ने अबीर लगाकर स्वागत की थी और नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज बर्दिया जिला शाखा के अध्यक्ष तथा केन्द्रीय सदस्य प्रेम प्रसाद लम्साल ने भी दोसल्ला ओढाकर स्वागत किया था । इसी तरह नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज केन्द्रीय समिति के महासचिव कृष्ण चौहान क्षेत्री, केन्द्रीय सदस्यों में रहें नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज बर्दिया जिला शाखा के अध्यक्ष तथा केन्द्रीय सदस्य प्रेम प्रसाद लम्साल, बिमल भित्तरकोटी, मनु लामा, प्रवास कुमार शाक्य, धर्मराज लुइटेल, सुशील घर्ती, बाँके जिला शाखा के सल्लाहकार तथा शतक रक्तदाता पवन जायसवाल (108वीं बार रक्तदान करचुके है) लगायत लागों को अबीर और खादा लगाकर नगर प्रमुख दिपेश थारु और नगर उपझप्रमुख मनकला चौधरी ने स्वागत किया था । राजपुर नगर समिति के अध्यक्ष लोकराज ढुंगाना के अनुसार केन्द्रीय अध्यक्ष प्रेमसागर कमार्चार्य, महासचिव कृष्ण चौहान क्षेत्री, केन्द्रीय सदस्यों लगायत को खादा लगाकर स्वागत किया था । अइसे ही नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज बर्दिया जिला शाखाद्वारा भेष्ट प्रदान करके स्वागत किया गया था । वह कार्यक्रम में अतिथियों को नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज राजापुर नगर समिति के अध्यक्ष लोकराज ढुंगाना ने स्वागत व्यक्त किया था । कार्यक्रम को सफल बनान समाज के जिला सल्लाहकार गोपाल निरौला, जिला सदस्य शिशिर शर्मा, सदस्य रमेश जैसी लगायत लोगों की बहुत बडी योगदान रही थी ।इसी तरह वह कार्यक्रम में राजापुर नगरपालिका के प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत दशरथ बुढा, शिक्षा शाखा प्रमुख टिकाराम भुषाल, राजापुर उद्योग बणिज्य संघ के अध्यक्ष कृष्ण रेग्मी, सुशीला श्रेष्ठ शाक्य, लक्ष्मी घिमिरे लगायत लोगों की सहभागिता रही थी ।वह अवसर में 5 स्वयंसेवी रक्तदाताओं ने रक्तदान किया था । राजापुर नगरपालिका के नगर प्रमुख दिपेश थारु ने खून संकल करनेवाली पाकेट नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज केन्द्रीय समिति के महाझसचिव कृष्ण चौहान क्षेत्री को हस्तान्तरण करके उद्घाटन किया था, रक्तदान करनेवालों में महा-सचिव कृष्ण चौहान क्षेत्री (91 वीं बार), राजापुर उद्योगा बणिज्य संघ के अध्यक्ष कृष्ण रेग्मी 7 वीं बार, सत्य नारायण चौधरी 25 वीं बार, काठमाण्डौं नगरपालिका वार्ड नं. 9 की निवासी लक्ष्मी घिमिरे और राजापुर नगरपालिका वार्ड नं.8 के निवासी युवराज जैसी ने रक्तदान किया था वह रक्तदान कार्यक्रम में राजापुर नगरपालिका द्वारा संचालित रक्त संचार केन्द्र राजापुर के प्रमुख महेश चौधरी ने प्राविधिक में सहयोग किया था ।इसी तरह वह अवसर में नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज केन्द्रीय कार्य समिति के महासचिव कृष्ण चौहान क्षेत्री ने आतिथ्य करनेवाली संस्था बर्दिया जिला शाखा के अध्यक्ष तथा केन्द्रीय सदस्य प्रेम प्रसाद लम्साल को धन्यवाद प्रमाणझपत्र प्रदान किया था । इस मौके पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महिला पर जानलेवा हमला

पड़ोसियों पर आरोप, कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड और फावड़ा लेकर पहुंचे

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, महेशगंज थाना क्षेत्र स्थित कांधीपुर झींगुर गांव में एक महिला पर जानलेवा हमले का आरोप लगा है। पीड़ित पक्ष ने पड़ोसियों पर हमला करने का प्रयासकरने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़ित पक्ष के अनुसार, गांव निवासी हरिश्चंद्र सरोज बाबागंज ब्लॉक में सफाई कर्मचारी हैं उनके बेटे सुधीर कुमार और विनीत कुमार सरोज, पत्नी कमला देवी और बेटी खुशबू ने मिलकर महिला पर हमला करने की कोशिश की। आरोप है कि दोपहर करीब 12 बजे आरोपी कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड, फावड़ा और लाठी जैसे धारदार और घातक हथियार लेकर पहुंचे थे और महिला को जान से मारने का प्रयास किया।पीड़ित पक्ष का दावा है कि इस घटना का एक वीडियो भी मौजूद है, जिसमें कथित तौर पर आरोपियों की गतिविधियां कैद हैं।इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत और उपलब्ध वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है।जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप

आईटी कंपनी मालिक समेत 4 की मौत

उत्तराखंड घूमने जा रहे थे; कार डीसीएम में घुसी, चकनाचूर; अंदर फंसे तड़पते रहे

यूपी के रामपुर में शनिवार को आईटी कंपनी के मालिक समेत 4 युवकों की सड़क हादसे में मौत हो गई। 3 की हालत गंभीर है। सभी उत्तराखंड घूमने के लिए जा रहे थे। सुबह 5 बजे उनकी ईको कार 100 की स्पीड में खड़ी डीसीएम में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चकनाचूर हो गई। अंदर फंसे लोग दर्द से तड़पते रहे। हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें शवों के बीच फंसा खून से लथपथ युवक लोगों से मदद की गुहार लगा रहा है। कह रहा है- भैया, बचा लो। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को गैस कटर से काटकर शवों और घायलों को निकाला। इसके बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक, शुरूआती जांच में झपकी आने से हादसा होने की आशंका है। मृतकों में दिल्ली निवासी अभिषेक अग्निहोत्री (30), नीरज (24), गुलबुद्दीन उर्फ सोनू (35) और बागपत निवासी कार्तिक (24) शामिल हैं। अभिषेक अग्निहोत्री नोएडा में 'इंडियन शॉप' नाम की आईटी कंपनी चलाते थे। वह अपने कर्मचारियों और दोस्तों के साथ जिम कॉर्बेट पार्क जा रहे थे दोस्त पदम धीमान ने बताया- अभिषेक के परिवार में पत्नी, 4 साल की एक बेटी और दो विशाल और नितिन भाई हैं। वह आईटी कंपनी के मालिक थे। उनकी कंपनी दिल्ली-गुरुग्राम में कंप्यूटर सर्विस प्रोवाइड कराती थी। अभिषेक अक्सर अपने स्टाफ को ट्रिप पर ले जाते थे। वीकेंड पर घूमने का प्लान था, इसलिए हम सभी शुक्रवार देर रात साथ में जिम कॉर्बेट के लिए निकले थे। शनिवार को पूरे दिन घूमने के बाद शाम को ही लौटने का प्लान बनाया था। हम लोग शुक्रवार की रात नौ बजे निकले थे। अभिषेक अपने 5 कर्मचारियों और छोटे भाई विशाल के साथ ईको कार में थे। मैं और मेरे 4 दोस्त सियाज कार में थे। हादसे से कुछ देर पहले ही ईको कार का टायर पंचर हो गया था। उसे ठीक कराने में समय लगा। इस वजह से हम आगे निकल आए। कुछ देर तक पीछे उनकी गाड़ी दिखाई नहीं दी तो फोन कर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन जवाब नहीं मिला।बाद में अभिषेक के मोबाइल पर दोबारा कॉल करने पर किसी अन्य व्यक्ति ने फोन उठाया और हादसे की जानकारी दी। इसके बाद मैं तुरंत मौके पर पहुंचा। वहां देखा तो अभिषेक समेत 4 लोगों की मौत हो चुकी थी। हादसे में जतिन, कमल और अभिषेक के भाई विशाल गंभीर रूप से घायल हुए। रामपुर जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद तीनों को मेरठ रेफर किया गया। लेकिन उनके परिवार वाले सभी को दिल्ली लेकर गए हैं।

डौला बस स्टैंड पर बिजली मीटर बॉक्स में आग

धमाके से आपूर्ति बाधित, बंदरों की शरारत से शॉर्ट सर्किट

बागपत , डौला बस स्टैंड पर शनिवार को एक बिजली मीटर बॉक्स में धमाके के साथ आग लग गई। इस घटना से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस स्टैंड के पास लगे बिजली मीटर बॉक्स से अचानक तेज आवाज आई और चिंगारियां निकलने लगीं। देखते ही देखते आग की लपटों ने मीटर बॉक्स को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना बिजली विभाग को दी। सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची ।

विद्युत समस्या को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक

सांसद नरेश उत्तम पटेल की अध्यक्षता में की गई बृहद चर्चा

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के कलेक्ट महात्मा गांधी सभागार परिसर अंतर्गत जिला विद्युत समिति की वित्तीय वर्ष 2026- 27 की बैठक संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनपद के सांसद नरेश उत्तम पटेल ने विद्युत विभाग से संबंधित वर्तमान में संचालित सभी योजनाओं के बारे में बृहद रूप से जिलाधिकारी के समक्ष चर्चा की ठीक इसी प्रकार जनपद में विद्युत समस्या को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतों का भी जिलाधिकारी के समक्ष सांसद नरेश उत्तम पटेल ने चिट्ठा खोला अनेक समस्याओं को अवगत कराते हुए विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता को सभी समस्याओं का जल्द निदान करने हेतु निर्देशित किया वहीं विद्युत समस्या के साथ-साथ किसानों के नलकूपों, कम वोल्टेज की समस्या पावर फैक्टर में सुधार समेत अन्य समस्याओं को भी मौजूदा अधिकारियों को अवगत कराया गया तथा सभी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया इस मौके पर जनपद की जिलाधिकारी निधी गुप्ता वत्स बिंदकी विधायक जयकुमार सिंह जैकी सदर विधायक चंद्र प्रकाश लोधी हुसैनगंज विधायिका ऊषा मौर्य अधीक्षण अभियंता अधिशासी अभियंता तथा एसडीओ समेत विद्युत विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे

जहर खाने से अधेड़ की हुई मौत मामला संदिग्ध

अमन लेखनी समाचार

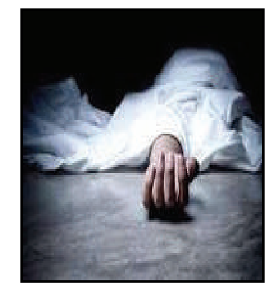

फतेहपुर। जनपद के सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बे के प्रेम नगर भादर रोड निवासी 45 वर्षीय उदयभान पुत्र कुंदन यादव ने गृह क्लेश से आहत होकर जहरीला पदार्थ खाते हुए आत्महत्या कर ली मिली जानकारी के अनुसार मृतक ने पारिवारिक कलह के कारण जहर खा लिया जहां जानकारी मिलते ही परिजन एम्बुलेंस से उसे सदर अस्पताल ले गए परंतु अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच किया तथा उदयभान को मृत घोषित कर दिया यह जानकारी होते ही परिजनों में हाहाकार मच गया वहीं परिजनों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मृतक नजदीकी थाना हथगांव के प्रयागदासपुर गांव का निवासी था जो अपनी ससुराल भादर रोड में निवास कर रहा था ससुर भोला यादव के घर निवास करते हुए मृतक अपनी पत्नी समेत दो बेटियों का जीवन यापन करता था सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस प्रशासन में शव को कब्जे में लेकर शव विच्छेदन गृह फतेहपुर रवाना किया वहीं मामला संदिग्ध बताए जाने पर थाना प्रभारी ने जांच प्रारंभ की

धूमधाम से 16 जुलाई को निकल जाएगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। प्रतिवर्ष आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी 16 जुलाई को जनपद के जहानाबाद कस्बे अंतर्गत भगवान श्री जगन्नाथ की शोभायात्रा निकाली जाएगी आयोजक समिति द्वारा मिली जानकारी के अनुसार यह यात्रा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी कस्बे के मोहल्ला बजरिया हनुमानगंज से बाजे गाजे के साथ निकलेगी जहां भगवान श्री जगन्नाथ के साथ बलभद्र एवं सुभद्रा जी का रथ समूचे कस्बे की मुख्य गलियां जैसे चौक पानी टंकी बस स्टॉप बाजपेई मोहल्ला ड्योढ़ी मोड राज भवन इत्यादि अनेक स्थानों में भृमण करते हुए पुनः यथा स्थान पहुंचेगी प्रमुख आयोजक रमाकांत अग्निहोत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अलौकिक रथ यात्रा गुरुवार शाम समय निकलेगी जहां भारी संख्या में प्रतिवर्ष की तरह श्रद्धालुओं सम्मिलित होकर भगवान श्री जगन्नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे इस भव्य शोभायात्रा की संपूर्ण तैयारी हो चुकी हैं

मकान का ताला तोड़ चोरों ने साफ किया नगदी समेत लाखों के जेवरात

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के कल्यानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव जोगापुर में अज्ञात चोरों ने गांव के नागरिक श्रीकांत मिश्रा के मकान पर धावा बोला बीती रात रविवार प्रातः सोमवार को अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर कमरे के अंदर रखी आलमारी से सोने चांदी के आभूषण समेत 45000 रुपए नगद पार कर दिए पीड़ित श्रीकांत ने बताया कि घटना के समय घर के सभी सदस्य गर्मी के कारण छत में सो रहे थे जहां चोरों ने स्वतंत्र रूप से घर में घुसकर चोरी की सुबह जगने के पश्चात जैसे ही बहू नीचे घर में पहुंची तो घर का सामान फैला हुआ पड़ा था जिसे देख शोर मचाया तथा सभी परिजन दौड़कर मौके पर पहुंचे ताला टूटा तथा सामान बिखरा हुआ देख परिजनों ने पुलिस प्रशासन को सूचना दी सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी तुषार श्रीवास्तव ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए परिजनों से पूछताछ की तथा जांच प्रारंभ की

बेटे की हत्या के बाद बाप ने खाया जहर

मेरठ में अचानक ससुराल पहुंचा और बच्चे को उठा ले गया; 5 साल पहले हुई थी शादी

अमन लेखनी समाचार

कपिल, मृतक

मेरठ , पत्नी को ससुराल लेने पहुंचे पति ने अपने 3 साल के बेटे को जहर देकर मार दिया और फिर खुद जहर खा लिया। गंभीर हालत में कपिल (28) को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां शनिवार तड़के 3 बजे मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 3 जुलाई को साली की शादी में ज्यादा ड्रिंक करने पर पत्नी ने अपने पति को टोक दिया था। इस दौरान दोनों के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद पत्नी बच्चों को छोड़कर वहां से चला गया ।घटना किठौर के गोविंदपुर-शकरपुर गांव की है।

ससुराल आया और बेटे को उठा ले गया आरोपी पति

किठौर के गोविंदपुर, शकरपुर गांव के रहने वाले हरीकिशन ने तहरीर दी। उसमें आरोप लगाया कि उसकी बेटी काजल की शादी परीक्षितगढ़ के रेहदरा किला गांव के रहने वाले कपिल (28) के साथ हुई थी। शादी को 5 साल हो चुके हैं। कपिल पेंटिंग का काम करता है। दोनों के दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा लड्डू 3 साल और छोटी बेटी परी 2 साल की है। हरीकिशन ने कहा- घर में शादी समारोह चल रहा है। इसमें उनकी बेटी काजल अपने तीन साल के बेटे लड्डू को लेकर ससुराल से मायके आई थी। रात 8 बजे करीब बिना बताए अचानक दामाद कपिल घर पहुंचा। कपिल अपने साथ बेटे लड्डू को जबरन लेकर चला गया। कुछ देर बात मासूम बेटा लड्डू घर लौटा तो उसके मुंह से झाग निकल रहा था। थोड़ी ही दूर पर कपिल भी जमीन पर गिरा था। दोनों को परिवार के लोग अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने लड्डू को मृत घोषित कर दिया। जबकि कपिल की शनिवार तड़के 3 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई ।एक शादी समारोह के दौरान अपनी पत्नी काजल के साथ कपिल। दोनों की शादी 5 साल पहले हुई थी ।एक शादी समारोह के दौरान अपनी पत्नी काजल के साथ कपिल।

पूर्व आईपीएस प्रेम प्रकाश बोले- ललिता हत्याकांड पुलिस की देन

11 मई को युवती जता चुकी थी जान का खतरा तो कार्रवाई क्यों नहीं की

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , ललिता गौतम हत्याकांड में पुलिस की खामिया उजागर होने लगी हैं। प्रशासन चाहे जो दावे करे लेकिन हकीकत यही है कि अगर रोहटा पुलिस गंभीरता दिखाती तो ललिता गौतम को बचाया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मेरठ आए पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रेम प्रकाश का भी यही मानना है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने शुरू से ही मामले में ढिलाई बरती। नतीजा यह हुआ कि पीड़ित परिवार का भरोसा टूटा और उसे सड़क पर उतरना पड़ा। प्रेम प्रकाश ने कहा कि 11 मई को ललिता गौतम ने अपनी हत्या का अंदेशा जाहिर किया था। यदि पुलिस इसका संज्ञान ले लेती तो शायद ललिता जिंदा होती। इसके बाद कुछ ऐसे स्टेटमेंट सामने आ गए, जिन्होंने पूरे मामले की दिशा बदलने और परिवार की इज्जत को प्रभावित करने का काम किया जो नहीं होना चाहिए था।

विवेचक भी नहीं दे पाए सवालों के जवाब

सिवाया टोल प्लाजा पर पीड़ित परिवार से वार्ता के बाद चंद्रशेखर आजाद व पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रेम प्रकाश ने कानूनी प्रक्रिया को भी जाना। बाकायदा मुकदमे के विवेचक को बुलाया गया लेकिन वह पूर्व आईपीएस के सवालों का संतुष्टि भरा जवाब नहीं दे सके। इसके बाद विवेचक को संवेदनशीलता के साथ काम करने व दोषियों को कतई ना बख्शे जाने के निर्देश दिए गए।

प्रेम प्रकाश बोले- अपराधी की कोई जाति नहीं

वार्ता के दौरान प्रेम प्रकाश की तरफ से कई सवाल किए गए लेकिन कोई उचित जवाब नहीं मिला। उन्होंने हिदायत दी कि पुलिस को निष्पक्ष भाव से काम करना चाहिए। अपराधी की कोई जाति नहीं होती है। सच्चाई को सामने लाने का काम पुलिस का है ।अफसरों को डिमांड से भी अवगत कराया प्रेम प्रकाश ने कहा कि इस तरह की वारदात में कुछ गाइड लाइन पहले से जारी हैं।

शपथपत्र देकर खुल सकेंगे कोचिंग सेंटर

2 महीने में पूरे करने होंगे सभी मानक, मेडा ने सीलिंग कार्रवाई में दी राहत

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , लखनऊ अग्निकांड के बाद सुरक्षा मानकों में कमी मिलने पर सील किए गए कोचिंग सेंटरों को मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) ने सशर्त राहत दी है। अब संचालक दो महीने के भीतर सभी निर्धारित मानक पूरे करने का शपथपत्र देकर अपने संस्थान दोबारा खोल सकेंगे। मेडा उपाध्यक्ष संजय मीणा ने इस संबंध में आदेश जारी किया। आदेश जारी होने के कुछ ही घंटों में दो कोचिंग संचालकों ने शपथपत्र भी जमा कर दिया। लखनऊ और दिल्ली में हुए अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में सुरक्षा मानकों की जांच तेज कर दी गई थी। मेरठ में भी मेडा ने भवन, फायर सेफ्टी और अन्य आवश्यक मानकों का पालन न करने वाले कोचिंग सेंटरों व लाइब्रेरी के खिलाफ सीलिंग अभियान चलाया था ।शहर में करीब 50 कोचिंग सेंटर सील किए गए, जबकि 80 से अधिक संस्थानों को नोटिस जारी किए गए। इस कार्रवाई का कोचिंग संचालकों ने लगातार विरोध किया। संचालकों ने जिलाधिकारी, कमिश्नर और मेडा कार्यालय पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। छात्रों ने भी पढ़ाई प्रभावित होने की बात कहते हुए कार्रवाई पर नाराजगी जताई। इसी बीच मेडा उपाध्यक्ष संजय मीणा ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में छात्रों के भविष्य और उनकी पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए सशर्त राहत देने का निर्णय लिया गया। निर्णय के तहत जो कोचिंग संचालक दो महीने के भीतर सभी निर्धारित मानकों को पूरा करने का शपथपत्र मेडा कार्यालय में देंगे, उन्हें अपने संस्थान संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि निर्धारित समय के भीतर मानक पूरे नहीं करने वाले संस्थानों के खिलाफ दोबारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मेरठ से पहले गाजियाबाद विकास प्राधिकरण भी इसी तरह की राहत कोचिंग संचालकों को दे चुका है। अधिकारियों का कहना है कि उद्देश्य संस्थानों को बंद कराना नहीं, बल्कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षित बनाना है।

7-साल की बच्ची से गैंगरेप के बाद हत्या

घर के बाहर खेलते वक्त उठा ले गए, मॉल में मिला अर्धनग्न शव; 3 लोगों पर एफआईआर

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , 7 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप के बाद उसकी हत्या कर दी गई। देर रात करीब 1 बजे उसकी लाश एक निमार्णाधीन मॉल के बेसमेंट में अर्धनग्न और खून से लथपथ हालत में मिली। बच्ची का सिर कुचला हुआ था, जबकि गले पर भी चोट के निशान थे। परिजनों के मुताबिक, बच्ची शाम करीब 7 बजे घर के बाहर खेल रही थी। इसके बाद वह अचानक लापता हो गई। काफी तलाश के बावजूद उसका पता नहीं चला तो देर रात पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें तीन युवक बच्ची को निमार्णाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट की ओर ले जाते दिखाई दिए। पुलिस ने बेसमेंट में तलाश की, जहां बच्ची का शव बरामद हुआ। उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। घटना जिला मुख्यालय से 7 किलोमीटर दूर नंदग्राम थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप और अपहरण का केस दर्ज किया है। पुलिस दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 10 बजे बच्ची के परिजन नंदग्राम थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि वे बिहार के रहने वाले हैं और निमार्णाधीन मॉल में मजदूरी करते हैं। मॉल परिसर में ही उनका परिवार रहता है ।परिजनों ने पुलिस को बताया कि शाम करीब 7 बजे उनकी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इसके बाद वह अचानक गायब हो गई। काफी तलाश के बावजूद उसका पता नहीं चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। देर रात करीब 1 बजे डायल-112 पर बेसमेंट में शव मिलने की सूचना मिली ।सीसीटीवी फुटेज से मिला सुरागपरिजनों के मुताबिक, पुलिस ने मॉल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एक कैमरे में तीन युवक बच्ची को बेसमेंट की ओर ले जाते दिखाई दिए। इसके बाद बेसमेंट की तलाशी ली गई, जहां बच्ची का शव मिला। परिजनों का कहना है कि बच्ची के शरीर पर कपड़े नहीं थे। उसका सिर कुचला हुआ था, गले पर खरोंच के निशान थे और शरीर से खून बह रहा था। इसके बाद उन्होंने तीन आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। मां बोली- बेटी की लाश मिली तो शरीर पर कपड़े नहीं थेबच्ची की मां ने बताया, ₹मेरी बेटी 7 साल की थी। वह शाम से लापता थी। रात में उसकी लाश मिली। जब शव मिला, तब उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। उसके साथ तीन लोगों ने गलत काम किया।

ललिता हत्याकांड- इकरा ने पीड़ित परिवार को अखिलेश से मिलवाया

मेरठ से दिल्ली लेकर पहुंचीं; सपा प्रमुख बोले- न्याय दिलाने वाले थप्पड़ बरसा रहे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ,सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सुबह साढ़े 8 बजे मेरठ ललिता हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात की। अखिलेश ने दिल्ली के सरकारी आवास पर 1 घंटे 15 मिनट तक ललिता के परिवार से बंद कमरे में बात की। उन्हें 2 लाख रुपए का चेक सौंपा। सूत्रों के मुताबिक, 10 जुलाई की रात अखिलेश ने परिवार को फोन कर दिल्ली मिलने के लिए बुलाया। कैराना सांसद इकरा हसन माता-पिता और भाई को लेकर दिल्ली पहुंचीं। पीड़ित परिवार ने अखिलेश को पूरी घटना बताई। अखिलेश ने ललिता के पिता से कहा- बेटी को न्याय मिलेगा। सरकार बनने पर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देंगे ।उन्होंने मेरठ के एसएसपी अविनाश पांडेय पर तंज भी कसा। कहा-जिस पुलिस से न्याय की उम्मीद होती है, उसके ही अधिकारी अन्याय और अहंकार के थप्पड़ जनता के गाल पर मार रहे हैं। वीडियो यूपी पुलिस की छवि को खंडित कर रहा है। इससे आम जनता के प्रति संवेदनशील पुलिसकर्मी शर्मिंदा हैं। दरअसल, बीए की छात्रा ललिता गौतम का शव 17 मई को गन्ने के खेत में मिला था। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया था। सूचना पर ररढ अविनाश पांडेय पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को थप्पड़ मारे। पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ा। अखिलेश यादव बोले- सदन में उठाएंगे पूरा मामला सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश ने परिवार से कहा- आरोपी अंकुश का भाई अंकित जो है। उसे सस्पेंड किया गया है, उस पर भी मुकदमा कराकर अरेस्ट कराएंगे। कलेक्ट्रेट के गेट पर जो लोग ललिता गौतम के लिए न्याय की मांग कर रहे थे, जिन पर पुलिस ने लाठियां चलाईं, डंडे और थप्पड़ बरसाए, उनको भी न्याय दिलाएंगे। जिन 13 लोगों पर पुलिस ने न्याय मांगने के कारण मुकदमे लगाए हैं, उनके मुकदमे भी हटवाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे। इस पूरे प्रकरण को सदन में उठाएंगे।

25 हजार का इनामी गिरफ्तार

लिफ्ट देने के बहाने लूटपाट करता था, मुठभेड़ में पकड़ा गया

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा की दादरी थाना पुलिस ने रात करीब 11 बजे 25 हजार के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान एटा निवासी अशोक कुमार उर्फ आशु उर्फ भोला के रूप में हुई है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब विस्तार से पढ़िए पूरा मामला पुलिस के अनुसार, आरोपी लिफ्ट देने के बहाने राहगीरों को निशाना बनाता था। उसके पास से एक तमंचा, कारतूस, लूटे गए पीड़ित का आधार कार्ड और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। 20 मई 2026 को अमरोहा निवासी अनुज कुमार ने दादरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कार सवार कुछ लोगों ने उन्हें लिफ्ट देने के बाद धमकाकर उनका मोबाइल फोन, नकदी और आधार कार्ड लूट लिया था। इस मामले में पुलिस पहले ही अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि अशोक फरार चल रहा था।

नोएडा में इंजीनियर की मौत का वीडियो

पहले टूटी स्लैब पर पैर पड़ा, फिर नाले में गिरा, उठाने आए व्यक्ति को भी लगा झटका

अमन लेखनी समाचार

आर्यन, मृतक

नोएडा , इंजीनियर आर्यन की मौत का एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। जिसमें आर्यन सड़क के किनारे फुटपाथ पर चल कर ऑफिस जा रहा था। दस दौरान टूटी स्लैब पर उसका पैर पड़ता है और फिर वह सीधे नाले में गिरता है। कुछ सेकेंड में वहां एक युवक उसे उठाने आता है। लेकिन उसे तेजी से करंट लगता है और वो पीछे हटता है। बता दें, गुरुवार को भारी बारिश के चलते नोएडा की सड़कों पर जलभराव हुआ था। ग्राम चौड़ा, सेक्टर-22 निवासी आर्यन अपने साथी शुभम के साथ ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान नाले में गिरे और मौत हो गई। आर्यन मूलरुप से कायमगंज का रहने वाले थे। पिता की मौत चार साल पहले हो चुकी थी।

सीसीटीवी में साफ पहले नाले में गिरा

अब भी ये असमंजस है कि आर्यन को पहले करंट लगा कि वो पहले नाले में गिरा। पुलिस ने आर्यन की बिसरे को प्रिजर्व कर लिया है। हालांकि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसका पैर नाले की पट्की पर पड़ा, जिससे वो नाले में गिरा। पोल पास में होने की वजह से शाट सर्किट हुआ और करंट लगने से उसकी मौत हो गई।

बिजली सप्लाई काट कर निकाला बाहर

परिजनों ने बताया कि शव काफी देर तक नाले में पड़ा रहा। बिजली काटी गई इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लोन के नाम ठगी करने वाले 5 आरोपी अरेस्ट

नोएडा में कॉल सेंटर चल रहा था, आरोपी कम ब्याज का झांसा देकर लोगों को फंसाते

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,पुलिस ने कम ब्याज पर लोन दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का खुसाला किया है। ऑपरेशन साइबर वज्र के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रोसेसिंग फीस और वेरिफिकेशन चार्ज के नाम पर लोगों से रुपए वसूलते थे। पुलिस ने कॉल सेंटर से मोबाइल, लैपटॉप, बैंक दस्तावेज, कॉलिंग डेटा और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं।

एनसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन ठगी की शिकायतें मिलीं

एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन ठगी की शिकायतें मिल रही थी। थाना स्तर पर 159 संदिग्ध बैंक खातों को चिन्हित किया गया। जांच में इनमें से 19 खाते रेड जोन में मिले। इसके बाद इन खातों से जुड़े करीब 2500 मोबाइल नंबरों का इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण किया गया। कॉल डिटेल, डिजिटल ट्रेल और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से पुलिस सेक्टर-2 स्थित डी-80 बिल्डिंग की पहली मंजिल तक पहुंची, जहां फर्जी कॉल सेंटर चल रहा था। ऐसे चलता था पूरा खेल जांच में सामने आया कि कॉल सेंटर के कर्मचारी पहले इंटरनेट और अन्य माध्यमों से लोन की तलाश कर रहे लोगों का डेटा जुटाते थे। फिर उन्हें फोन कर बाजार से कम ब्याज दर पर तुरंत लोन दिलाने का भरोसा दिया जाता था।

निसबड व उत्तर प्रदेश वन विभाग की संयुक्त कार्यशाला में उद्यमिता एवं कौशल विकास पर जोर

40 प्रतिभागियों ने लिया भाग, वन क्षेत्र से जुड़े ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने पर हुई चर्चा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान निसबड एवं उत्तर प्रदेश वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज कतर्निया घाट वन्यजीव अभयारण्य में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में उद्यमिता एवं कौशल विकास के माध्यम से ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष बल दिया गया। कार्यशाला में कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निसबड की महानिदेशक डॉ. पूनम सिन्हा ने प्रतिभागियों को उद्यमिता एवं कौशल विकास के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाकर युवा एवं ग्रामीण आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं। इस मौके डॉ. सिन्हा नें प्रतिभागियों को उद्यम स्थापित करने, सरकारी योजनाओं तथा व्यवसाय विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने प्रतिभागियों को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला का उद्देश्य वन क्षेत्रों से जुड़े ग्रामीणों में उद्यमिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें कौशल विकास के माध्यम से स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में उपस्थित बहराइच के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) अपूर्व दीक्षित ने डॉ. पूनम सिन्हा का स्वागत किया। उन्होंने आग्रह किया कि वन क्षेत्रों से सटे गांवों के लोगों तक कौशल विकास एवं उद्यमिता से संबंधित योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि वे रोजगार और आय के नए अवसरों से जुड़ सकें। इस मौके पर प्रतिभागियों द्वारा बनाये गए उत्पादों की जानकारी ली गई, जिसमे जूट के बैग व रोटी की टोकरी, पानी की बोतल, टोपी व चप्पल प्रदर्शित किये गए। इस अवसर पर निसबड के वरिष्ठ सलाहकार प्रदीप अरोड़ा व राज्य प्रमुख प्रभाकर बहुगुणा मौजूद रहे।

छठ घाट परिसर में वृक्षारोपण कर नपं अध्यक्ष ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अमन लेखनी समाचार

डाला बाजार। पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर पंचायत डाला बाजार के वार्ड संख्या-6 छठ स्थित घाट समेत अन्य वार्डों में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष फुलवंती कुमारी ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर अध्यक्ष फुलवंती कुमारी ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। स्वच्छ पर्यावरण, शुद्ध वायु तथा आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में उपस्थित नगरवासियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान छठ घाट परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत के गणमान्य नागरिक, स्थानीय निवासी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का संदेश दिया।

वृक्षारोपण प्रकृति संरक्षण की अमूल्य धरोहर : अमरनाथ मिश्र

एनएसएस इकाई प्रथम ने 'वृक्षारोपण महायज्ञ के तहत लगाए विभिन्न प्रजातियों के पौधे।

अमन लेखनी समाचार

शक्तिनगर (सोनभद्र)। उत्तर प्रदेश सरकार के वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 अभियान के अंतर्गत महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, एनटीपीसी शक्तिनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई प्रथम द्वारा रविवार को व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत एनटीपीसी टाउनशिप स्थित शक्तेश्वर महादेव मंदिर परिसर में साफ-सफाई अभियान चलाकर विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 101 पौधे विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को निःशुल्क वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के पुजारी अमरनाथ मिश्र ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण प्रकृति संरक्षण की अमूल्य धरोहर है। वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। वृक्ष न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए संजीवनी का कार्य भी करते हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर में जामुन, शहतूत, अमरूद, आम, बकायन, क्रैंच, अनार, नीम, नींबू एवं आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। वृक्षारोपण के साथ ही इन पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एनटीपीसी इलेक्ट्रिकल विभाग के उमाशंकर मिश्र ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। वृक्षों से हमें शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, औषधियां तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी जिम्मेदारी के साथ देखभाल भी करनी चाहिए।

खास समाचार

ओबरा पुलिस द्वारा तापीय विद्युत परियोजना से तांबे की प्लेट चोरी करते हुए एक अभियुक्त रंगे हाथ गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में चोरी की घटनाओं की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल नेतृत्व में ओबरा पुलिस एवं केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चोरी के एक अभियुक्त को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दिनांक 11 जुलाई, 2026 को समय लगभग सायं 06:30 बजे तापीय विद्युत परियोजना, ओबरा के खण्ड-1 'स' में कार्यरत कर्मचारी कंचन यादव पुत्र लाल बहादुर यादव, निवासी ग्राम पुरहे, पोस्ट करुई, थाना मझिआंव, जनपद गढ़वा (झारखंड), उम्र लगभग 32 वर्ष, परियोजना परिसर से तांबे की 04 प्लेट चोरी कर ले जाते समय सीआईएसएफ के जवानों द्वारा रंगे हाथ पकड़ लिया गया अभियुक्त को चोरी किए गए सामान सहित थाना ओबरा पुलिस के सुपुर्द किया गया, जिसके आधार पर थाना ओबरा पर मु0अ0सं0- 153/2026, धारा 306, 317(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। दिनांक 12 जुलाई, 2026 को अभियुक्त को विधिक कार्रवाई पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

महिला थाना रॉबर्ट्सगंज के परिवार परामर्श केंद्र पर 09 प्रकरणों की सुनवाई, 06 मामलों में आपसी सहमति से हुआ सुलह

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र स्थित परिवार परामर्श केंद्र में पारिवारिक विवादों से संबंधित मामलों की सुनवाई महिला थाना प्रभारी रॉबर्ट्सगंज की अध्यक्षता में की गई। कुल 09 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें दोनों पक्षों को उपस्थित कराकर काउंसलिंग एवं आपसी संवाद की प्रक्रिया अपनाई गई। सुनवाई एवं विस्तृत परामर्श के उपरांत प्राप्त 06 प्रकरणों में दोनों पक्षों के मध्य आपसी सहमति स्थापित कर सुलह-समझौता कराया गया, जिससे संबंधित परिवारों में पुनः सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित हुआ। इसके अतिरिक्त 03 प्रकरणों में आवश्यक काउंसलिंग के उपरांत दोनों पक्षों को अग्रिम तिथि प्रदान की गई। महिला थाना रॉबर्ट्सगंज द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान हेतु निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस का हरित संकल्प, जनपदभर में हुआ वृहद वृक्षारोपण

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के नेतृत्व में पुलिस लाइन चुर्क सहित जनपद के सभी थानों, चौकियों एवं कार्यालयों में लगाए गए हजारों पौधे

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के क्रम में आज दिनांक 12 जुलाई 2026 को जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा जनपदभर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत पुलिस लाइन चुर्क, समस्त थाना परिसरों, पुलिस चौकियों एवं कार्यालयों में छायादार, फलदार एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से उपयोगी पौधों का रोपण किया गया पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार क्षेत्राधिकारी लाइन भुवनेश्वर सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर, क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय तथा प्रतिसार निरीक्षक मो0 नदीम द्वारा पुलिस लाइन चुर्क में विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन, जल संरक्षण, जैव विविधता और स्वच्छ वायु के आधार भी हैं। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक का वृक्षारोपण एवं उनका संरक्षण करना नैतिक दायित्व है ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान मातृत्व के सम्मान के साथ प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी सशक्त संदेश देता है।

जनपद के सभी थानों एवं सर्किलों में चला हरित अभियान

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद के सभी क्षेत्राधिकारीगण, प्रभारी निरीक्षक एवं थानाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने सर्किल, थाना परिसर, पुलिस चौकियों तथा अन्य चिन्हित स्थलों पर अधीनस्थ पुलिस बल एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से व्यापक वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संकल्प दिलाया गया।

रेनूपावर प्राथमिक पाठशाला में 'धनवंतरी वाटिका एवं औषधीय उपवन' का लोकार्पण

बच्चों ने औषधीय पौधों का ज्ञान दिखाकर जीती वाहवाही।

अमन लेखनी समाचार

अनपरा सोनभद्र। हिन्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण एवं औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रेनूपावर प्राथमिक पाठशाला, रेनूसागर में विकसित 'धनवंतरी वाटिका एवं औषधीय उपवन' का उद्घाटन सोमवार को एक प्रेरणादायी कार्यक्रम के तहत विद्यालय प्रबंधक एवं हेड एच आर हिन्डाल्को रेनुसागर आशीष पांडेय द्वारा बच्चों से फीता कटवाकर कराया गया। यह पहल बच्चों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी, जैव विविधता संरक्षण और औषधीय पौधों के महत्व को समझाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधक एवं हिन्डाल्को हेड एच आर आशीष पांडेय, सीएसआर प्रमुख संजीव श्रीवास्तव तथा रोहित सक्सेना ने बच्चों द्वारा लगाए गए औषधीय एवं उपयोगी पौधों शहतूत, अजवाइन, मीठा नीम, एलोवेरा, सदाबहार, चिरायता, तुलसी, लेमनग्रास, पान, एयर पोटैटो, गिलोय, पुदीना, हड़जोड़, अमरूद एवं गुलाब आदि का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। विद्यालय प्रबंधक ने विद्यार्थियों से पौधों के औषधीय गुणों, उपयोग एवं संरक्षण से जुड़े प्रश्न पूछे। बच्चों ने पूरे आत्मविश्वास एवं उत्साह के साथ सभी प्रश्नों के सटीक और प्रभावशाली उत्तर देकर अपनी उत्कृष्ट तैयारी का परिचय दिया, जिससे अतिथि अत्यंत प्रभावित हुए और उनकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यालय परिसर में निर्मित कंपोस्ट पीट तथा विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए सीड बॉल (बीज गोले) रहे। अतिथियों ने इन नवाचारों को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल बताते हुए बच्चों को प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने का संदेश दिया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सीमा दुबे ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और औषधीय पौधों के महत्व के प्रति जागरूकता विकसित करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार की रचनात्मक एवं पर्यावरण हितैषी गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा। यह कार्यक्रम बच्चों की सक्रिय सहभागिता, नवाचार और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील सोच का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उपस्थित सभी लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहा।

ड्रोन संबंधी अफवाहों से रहें सतर्क, भ्रामक सूचनाओं पर न करें विश्वास : सोनभद्र पुलिस

संदिग्ध ड्रोन अथवा किसी भी असामान्य गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस या यूपी-112 को दें, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपदवासियों से अपील की जाती है कि सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से प्रसारित ड्रोन के माध्यम से चोरी, रेकी अथवा आपराधिक गतिविधियों से संबंधित किसी भी अपुष्ट एवं भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें। हाल के दिनों में प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सामान्य इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों, प्रकाशयुक्त उड़ने वाले उपकरणों अथवा अन्य रोशनी वाली वस्तुओं को ड्रोन बताकर आमजन में अनावश्यक भय एवं भ्रम का माहौल उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसी अपुष्ट सूचनाओं एवं अफवाहों के कारण कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। सोनभद्र पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी सूचना को सत्यापित किए बिना उसे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्रसारित न करें तथा किसी भी अफवाह के आधार पर कानून अपने हाथ में न लें। यदि किसी स्थान पर कोई संदिग्ध ड्रोन, उड़ने वाली वस्तु अथवा कोई अन्य संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है तो तत्काल स्थानीय पुलिस, यूपी-112 अथवा निकटतम पुलिस थाना को सूचना दें, जिससे समय रहते आवश्यक जांच एवं वैधानिक कार्रवाई की जा सके। बिना अनुमति ड्रोन संचालन, झूठी अफवाह फैलाकर समाज में भय एवं दहशत का वातावरण बनाने तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सोनभद्र पुलिस की जनहित में अपील

ड्रोन संबंधी अफवाहों एवं भ्रामक संदेशों पर विश्वास न करें।

किसी भी सूचना को बिना सत्यापन सोशल मीडिया पर साझा न करें।

किसी संदिग्ध ड्रोन या गतिविधि की सूचना तत्काल यूपी-112 या स्थानीय पुलिस को दें।

वृक्षा रोपण महायज्ञ अभियान के तहत जनपद में वृहद स्तर पर किया गया पौधरोपण

सोनभद्र की छह बंजर पहाड़ियां अब होंगी हरियाली से आच्छादित।

वृक्षारोपण महायज्ञ पर अंबेडकर पहाड़ी में हुआ वृहद पौधरोपण।

राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड व जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने पौधा रोप प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत रविवार को प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाने का महाअभियान चलाया गया। इसी अभियान के तहत जनपद सोनभद्र में प्रदेश में सबसे अधिक 1 करोड़ 67 लाख से अधिक पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस अभियान के तहत जनपद में मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने एक अनोखी मुहिम चलाते हुए छह बजंर पहाड़ियों को हरियाली से आच्छादित करने के लिए वृहद पौधारोपण अभियान में शामिल किया गया। इन पहाड़ियों पर अब छाएगी हरियाली वृक्षारोपण महायज्ञ के तहत जनपद में हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ प्राकृतिक सौन्दर्यता बढ़ाने के उद्देश्य से छह बंजर पहाड़ियों पर वृहद स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि सोनभद्र में इस अभियान के तहत अबकी बार जुगैल की अंबेडकर पहाड़ी के साथ-साथ चोपन के पनारी में स्थित जुड़वानी पहाड़ी, घटिहटा स्थित गड़ई पहाड़ी, म्योरपुर के रासपहरी में स्थित रासपहाड़ व गंभीरपुर में स्थित सरहद पहाड़ी तथा दुद्धी के नगवा में स्थित भवरहवा पहाड़ी में वृहद स्तर पर पौधरोपण सुनिश्चित किया गया है। आने वाले समय में यह पहाड़ियां जब हरित आवरण से आच्छादित होंगी तो सोनभद्र की प्राकृतिक छटा देखने लायक होगी। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड व जिलाधिकारी चर्चित गौड़ व मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने चोपन ब्लॉक के ग्राम जुगैल में अंबेडकर पहाड़ी में 10 बीघा भूमि पर पौधरोपण कर प्रकृति की रक्षा का संदेश दिया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में मौजूद आमजन को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और घटते पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए चिंता का विषय है। पेड़-पौधे ही हमें मुफ्त में आक्सीजन देते हैं इसलिए पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षों का होना बहुत जरूरी है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधों का रोपण करना होगा। पौधे हमें न सिर्फ आक्सीजन देते हैं, बल्कि फूल, फल, औषधि व इमारती लकड़ियां भी देते हैं।

दुद्धी साइबर पुलिस ने साइबर ठगी की शिकार युवती के 86,200/- कराए वापस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना दुद्धी पुलिस एवं साइबर हेल्प डेस्क द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी की शिकार एक पीड़िता के 86,200/- सफलतापूर्वक वापस कराए गए। थाना दुद्धी क्षेत्र के वार्ड नं.-03 निवासी आकांक्षा चन्द्रा पुत्री रमेश चन्द्रा के साथ अज्ञात साइबर ठग द्वारा ढक्ष्ऋ अकाउंट खोलने के नाम पर 86,200/- की ऑनलाइन ठगी कर ली गई थी। घटना के संबंध में पीड़िता द्वारा एनसीआरपी (ठउफढ) पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत प्राप्त होने के उपरांत थाना दुद्धी पुलिस की साइबर हेल्प डेस्क द्वारा आवश्यक तकनीकी साक्ष्य संकलित करते हुए तत्काल संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर पूरी धनराशि 86,200/- होल्ड कराई गई। तत्पश्चात माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आवश्यक पत्राचार कर पूरी धनराशि पीड़िता के बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई।

वापस कराई गई धनराशि–

01.86,200/- (छियासी हजार दो सौ रुपये मात्र)

धनराशि वापस कराने वाली पुलिस टीम

01.प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र

02.कांस्टेबल मन्तोष, साइबर हेल्प डेस्क, थाना दुद्धी

03.महिला आरक्षी साक्षी सिंह, साइबर हेल्प डेस्क, थाना दुद्धी

जनहित में अपील

साइबर ठगी होने पर घबराएं नहीं। तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें अथवा पर शिकायत दर्ज करें एवं निकटतम पुलिस थाना/साइबर थाना को तत्काल सूचित करें। समय पर शिकायत करने से धनराशि वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

₹सतर्क रहें, सुरक्षित रहें – साइबर अपराध के विरुद्ध सोनभद्र पुलिस आपके साथ है।₹

मारपीट एवं जानलेवा हमले के मुकदमे में वांछित तीन अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक दुद्धी धर्मेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मु0अ0सं0-192/2026, धारा 115(2), 352, 351(3), 110 एवं 109(1) बीएनएस से संबंधित प्रकरण में वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम लगातार प्रयासरत थी। इसी क्रम में दिनांक 11 जुलाई, 2026 को मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना दुद्धी पुलिस टीम द्वारा पावर हाउस, गुलालझरिया थाना दुद्धी के पास घेराबंदी कर तीनों वांछित अभियुक्तों को समय लगभग 20:15 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अदद कुल्हाड़ी भी बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए दिनांक 12 जुलाई, 2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

हनुमान अंश के टीजर में नीम करोली बाबा की कहानी

नई दिल्ली। श्री नीम करोली बाबा की कहानी पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' 31 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म का मकसद आस्था, विनम्रता और सेवा की भावना के सफर को पर्दे पर उतारना है। विशाल चतुर्वेदी की लिखित और निर्देशित इस फिल्म में शोभिना डब्ल्यू. सत्या, विहान एस. हेगड़े, चंदन आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल के. रस्तोगी और गुलशन पांडे लीड रोल्स में हैं। इसे रागिनी एस., नम्रता जी. सिंह, अनुप्रिया ए. नागर और विशाल चतुर्वेदी ने प्रोड्यूस किया है। रिलीज से पहले, मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी जारी कर दिया है। फिल्म 'हनुमान अंश' आस्था, विनम्रता और असीम प्रेम की यात्रा पर आधारित है। इस फिल्म का मकसद उस संत की कहानी को सामने लाना है।

लाइफ Style

दिशा

ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म का बनीं हिस्सा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और तब्बू जैसी अदाकाराओं के बाद अब दिशा पाटनी ने भी हॉलीवुड में कदम बढ़ा दिए हैं। वे ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'हॉलीगाड्र्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी।

इस फिल्म के जरिए वे इंटरनेशनल स्तर पर अपनी पहचान बनाने को तैयार हैं। हाल ही में दिशा ने स्पेसी के साथ शूटिंग के अनुभव साझा किए। फिल्म 'हॉलीगाड्र्स सागा' में दिशा के साथ डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन, ब्रायना हिल्डेब्रांड और एरिक रॉबर्ट्स जैसे बड़े ग्लोबल स्टार्स अहम भूमिकाओं में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में दिशा ने हॉलीवुड में सफल होने के लिए जरूरी चीजों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर्स सिर्फ भारत में बैठकर इंटरनेशनल ऑडिशन, टैलेंट रिप्रेजेंटेशन और वीजा से जुड़ी मुश्किल प्रक्रियाओं को समझे बिना ग्लोबल रोल पाने की उम्मीद नहीं कर सकते। दिशा पाटनी ने कहा, 'वे (केविन स्पेसी) कमाल के हैं। एक एक्टर होने के नाते, वे अपने एक्टर्स को समझते हैं। एक्सपेरिमेंट करने के लिए काफी आजादी देते हैं। वे हमसे कहते थे कि हम अपने अनुभवों का इस्तेमाल करें। वह हमें ऐसे सवाल सोचने के लिए प्रोत्साहित करते थे, जैसे- 'आप ऐसी स्थिति में कैसा रिएक्ट करेंगे?' 'क्या आप रोएंगे?' 'आप कैसा महसूस करेंगे?' 'आप अपनी भावनाएं कैसे जाहिर करेंगे?' हर सुबह, वे हमारे साथ बैठते थे और हमें सीन समझाते थे। मुझे यह बात बहुत खास लगी।

हॉलीवुड मसाला

द ओडिसी के प्रीमियर से पहले लिया ब्रेक

मुंबई। हॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता टॉम हॉलैंड की फिल्म 'द ओडिसी' जल्द ही भारत में रिलीज होने वाली है। इसके प्रीमियर के लिए अभिनेता टॉम हॉलैंड, मैट डेमन और निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन भारत आए हैं। ये सभी लोग फिल्म के प्रीमियर के लिए जा रहे थे। इससे पहले एक होटल में चाय के लिए रुके। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि टॉम हॉलैंड, मैट डेमन और क्रिस्टोफर नोलन अपनी गाड़ी से उतरे और एक कॉफी हाउस में पहुंचे। होटल के कर्मचारियों ने उन्हें चाय परोसी और इसके साथ बन भी दिया।

फिर साथ रहने लगे विल और पत्नी जेडा?

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्टर विल स्मिथ और पत्नी जेडा पिंकेट की शादी को लगभग 29 साल हो चुके हैं। 57 वर्षीय विल स्मिथ और 54 वर्षीय जेडा की शादी 1997 में हुई थी। 2023 में जेडा स्मिथ ने खुलासा किया कि वह और विल स्मिथ 2016 से अलग रह रहे थे। हालांकि उन्होंने कभी तलाक के लिए अर्जी नहीं दी। विल स्मिथ और उनकी पत्नी जेडा पिंकेट पिछले दो साल से फिर से एक ही घर में रह रहे हैं। जबकि पहले वे अलग-अलग घरों में रहते थे। एक सूत्र ने पीपल्स मैगजीन को बताया कि जेडा पिंकेट और विल स्मिथ साथ रहकर खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। वह खुश हैं, एक-दूसरे से प्यार करते हैं।'बीते दिनों भी इस कपल को पेरिस फैशन वीक के दौरान साथ देखा गया। वह अपने बेटे जेडन स्मिथ को सपोर्ट करने पहुंचे थे।

बेटी को ट्रोल करने वालों पर आगबबूला

मुंबई। अभिनेत्री और पॉलिटिशियन खुशबू सुंदर ने अपनी बेटियों, अवंतिका और आनंदिता का बचाव करते हुए ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है। हाल ही में, बेटी की शादी के बाद लुक को लेकर खुशबू की बेटी को ऑनलाइन ट्रोल किया गया था। खुशबू सुंदर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करके इसकी आलोचना की है और साफ कहा है कि परिवार पर निशाना साधने पर वे चुप नहीं रहेंगी। खुशबू सुंदर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी चुप्पी को कभी भी सहमति नहीं समझा जाना चाहिए। ट्रोल करने वालों को जवाब देते हुए उन्होंने अपने परिवार के सफर का जिक्र किया और कहा कि यह वर्षों की कड़ी मेहनत, त्याग और लगन से बना है।

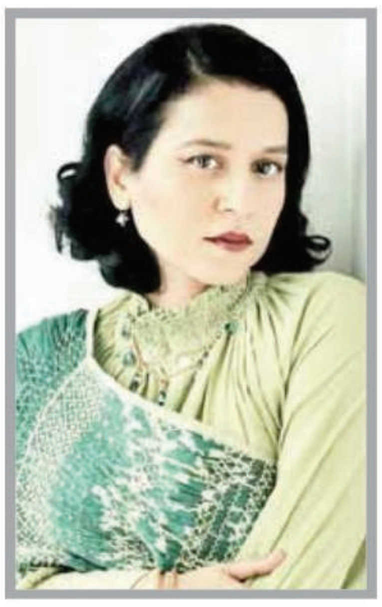

आंख पर बैठी मक्खी भी नहीं हटाई...

नई दिल्ली। सनी देओल और अक्षय खन्ना अभिनीत फिल्म 'इक्का' में तिलोत्तमा शोम ने पहली बार वकील की भूमिका निभाई है। एक बातचीत में उन्होंने शूटिंग के दौरान का एक ऐसा किस्सा साझा किया। तिलोत्तमा कहती हैं, 'यह घटना शायद मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। हम एक सीन की शूटिंग कर रहे थे। पहले सनी सर का हिस्सा शूट हुआ। फिर कैमरा मेरी तरफ आ गया। सनी सर बिल्कुल मेरे सामने खड़े थे और मैं अपना लंबा संवाद बोल रही थी। इसी दौरान कई मक्खियां उनके चेहरे के आसपास मंडराने लगीं। फिर एक मक्खी उनकी आंख के बिल्कुल किनारे जाकर बैठ गई। मैं मन ही मन सोच रही थी कि अब तो शूटिंग जरूर रोक दी जाएगी, क्योंकि ऐसी स्थिति किसी के लिए भी असहज हो सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

टीवी मसाला

जोक्स जिन्हें सुनाने के बाद स्टेज के पीछे जाकर रोते हैं कॉमेडियन

नई दिल्ली। लंबे वक्त से कॉमेडी किंग कपिल शर्मा के शो से जुड़े आर्टिस्ट राजीव ठाकुर का शुरुआती दौर काफी मुश्किल रहा है। राजीव खुद एक इंटरव्यू में यह बता चुके हैं कि उनका बचपन बहुत गरीबी में बीता था और उन दिनों ने उनके जीवन पर बहुत प्रभाव डाला। राजीव ने बताया कि वह कई बार अपने उन दिनों के अनुभवों को अपने जोक्स में डालने की कोशिश करते हैं, लेकिन फिर वह खुद ही भावुक हो जाते हैं। भले ही वह उन तजुर्बों की मदद से लोगों को हंसा देते हैं, लेकिन फिर वह खुद ही भावुक हो जाते हैं, और पर्दे के पीछे जाकर रोते हैं। एक बातचीत में राजीव ने बताया कि उन्हें अपने बचपन के बारे में याद करके बहुत तकलीफ होती है। राजीव ने कहा, 'मेरी जर्नी उन हालातों में शुरू हुई थी, जिन्हें मैं याद भी नहीं करना चाहता हूं। अगर मैं आज लोगों को इसके बारे में बताऊं, तो यह आपको किसी काल्पनिक कहानी जैसा लग सकता है। क्योंकि कोई ऐसा नहीं है जो इसकी पुष्टि कर सके।' राजीव ने बताया कि क्यों वह अक्सर अपने बचपन और करियर के शुरुआती दिनों को अपनी कॉमेडी में उतारने से बचते हैं। राजीव ठाकुर ने कहा, 'लोग मुझसे अक्सर कहते हैं कि आपको अपने दर्द को स्टैंडअप कॉमेडी में बदल देना चाहिए। मैं कभी-कभी ऐसा करता भी हूं, लेकिन उन जोक्स को सुनाते वक्त मेरा दर्द इतना रियल होता है कि मैं स्टेज के पीछे जाकर रोने लगता हूं। यही वजह है कि मैं अपनी जिंदगी के उस दौर के बारे में बहुत कम बात करता हूं।'

'कोई दूध का धुला नहीं होगा'

नई दिल्ली। अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' से बाहर हो गई हैं। बीते दिन शनिवार को 'जजमेंट डे' एपिसोड में गोविंदा और उनकी बेटी टीना आहूजा उन्हें शो से बाहर ले जाने के लिए आए थे। शो के दौरान, सुनीता ने कई बार शादी में धोखा देने का जिक्र किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गोविंदा के कई वर्षों तक कई अफेयर रहे हैं। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि वह कभी भी उन्हें छोड़कर नहीं जाएंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमाम मुश्किलों के बावजूद शादी में उनका भरोसा और प्यार अटूट बना हुआ है। सुनीता आहूजा ने 'लॉक अप 2' से निकलने के बाद बातचीत में शादी में धोखे के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'भरोसा बहुत बड़ी चीज है। मुझे नहीं लगता कि फिल्म इंडस्ट्री का कोई भी हीरो दूध का धुला होगा। हमसे ज्यादा तो वो लोग हीरोइनों के साथ टाइम बिताते हैं। तो ये आपके प्यार पर निर्भर करता है कि आप कैसे लेते हो'।

किशोर कुमार ने मांगी थी मोटी फीस तो बेटे से गंवाया 'पर्दा है पर्दा' गाना...

नई दिल्ली। 1977 में मनमोहन देसाई की चार बड़ी फिल्में रिलीज हुई थीं। उनमें से एक थी 'अमर अकबर एंथनी'। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना और ऋषि कपूर लीड रोल में थे। फिल्म की कहानी तीन ऐसे भाइयों की होती है जिन्हें उनका पिता एक पार्क में छोड़ आता है। बाद में तीनों भाइयों का अलग धर्मों में पालन पोषण होता है। इस फिल्म की कहानी को ऑडियंस ने खूब पसंद किया था। लेकिन, इसके गानों की अपनी एक अलग जगह रही। इस फिल्म ने उस साल के सबसे बेहतरीन गाने दिए। भक्ति गीत हो या कव्वाली, इस फिल्म का अहम हिस्सा रहे।

अमर अकबर एंथनी का म्यूजिक

फिल्म अमर अकबर एंथनी का म्यूजिक उस समय की सबसे हिट जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी ने तैयार किया था। फिल्म में कुल कुल 7 गाने थे। शिरडी वाले साईं बाबा, तैय्यब अली प्यार के दुश्मन हाय हाय, टाइटल सॉन्ग अमर अकबर एंथनी, हमको तुमसे हो गया है प्यार क्या करें जैसे गाने शामिल थे। लेकिन, जिस गाने को सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी मिली वो था ऋषि कपूर पर फिल्माया 'पर्दा है पर्दा' था। फिल्म के इस कव्वाली गाने को मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज से सजाया था और इसके गीत लिखे थे आनंद बक्शी ने। ये गाना उस साल का नंबर 2 पर था जिसे दुनियाभर में खूब सुना गया। गाने में ऋषि कपूर की एक्टिंग और एक्सप्रेशन आज भी हिट है। लेकिन, कम ही लोग जानते हैं कि इस गाने की एक लाइन गाने के लिए पहले किशोर कुमार से बात की गई थी। लेकिन, वो सिर्फ एक लाइन के लिए इस गाने का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे।

आज भी पसंद किया जाता है यह गाना

किशोर कुमार ने फिल्म के गाने 'पर्दा है पर्दा'में एक लाइन गाने के लिए मोटी फीस की मांग कर दी। ऐसे में म्यूजिक डायरेक्टर की जोड़ी निराश हो गई। बाद में ये लाइन किशोर कुमार के बेटे अमित कुमार ने कम पैसों में गाकर पूरी की। ये गाना आज भी उतना ही पसंद किया जाता था जितना करीब 39 साल पहले था।

अमिताभ ने जीता था पहला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

फिल्म अमर अकबर एंथनी की कहानी डायरेक्टर मनमोहन देसाई ने एक न्यूज पेपर में पढ़ी थी। खबर में था कि एक पिता तंगहाली से परेशान हो कर अपने बच्चों को पार में छोड़ गया। इस पर उनकी पत्नी और लेखक ने फिल्म की स्क्रिप्ट लिख डाली। फिल्म 1975 में लगी इमरजेंसी की वजह से करीब दो साल बाद 1977 में रिलीज हुई। उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। इसी फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन ने अपना पहला बेस्ट एक्टर फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता था।

सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में दिखाया जाएगा रामायण का फर्स्ट लुक...

नई दिल्ली। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का फर्स्ट लुक सैन डिएगो कॉमिक कॉन में दिखाया जाएगा। 23 जुलाई को वहां फर्स्ट लुक रिवील होगा। सैन डिएगो कॉमिक-कॉन दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक पॉप-संस्कृति और कॉमिक बुक सम्मेलन है। इसकी शुरुआत 1970 से हुई थी। 23 जुलाई से 26 जुलाई 2026 तक इसका आयोजन होगा। पहले दिन ही यहां 'रामायण' की पहली झलक देखने को मिलेगी। फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा, डायरेक्टर नितेश तिवारी के अलावा मुख्य सितारे रणबीर कपूर और यश फर्स्ट लुक पेश करेंगे। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिन पहले ही ऐसी खबरें आई थीं कि मेकर्स 18 जुलाई को नई दिल्ली में फिल्म का जबर्दस्त ट्रेलर लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म 'रामायण' मेगा बजट फिल्म है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है। रणबीर कपूर इसमें भगवान राम की भूमिका अदा कर रहे हैं, वहीं साई पल्लवी को माता सीता के रोल में देखा जाएगा। यश रावण का किरदार निभाते दिखेंगे। वहीं, सनी देओल प्रभु हनुमान की भूमिका में होंगे। इस फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, कुणाल कपूर, लारा दत्ता, अरुण गोविल और शीबा चड्ढा जैसे सितारे भी हैं। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा और दूसरा हिस्सा अगले साल दिवाली पर दस्तक देगा।

एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि मानवीय कमजोरियों और बदलते सामाजिक मूल्यों का ऐसा जीवंत आईना है

9 भाषाएं, 24 फिल्में, सिनेमा में 98 साल पुराना और गहरा है देवदास का इतिहास

मुंबई । स्व. शरत चंद्र चट्टोपाध्याय का कालजयी उपन्यास देवदास एक शताब्दी से भारतीय सिनेमा की धड़कन बना हुआ है। संदीप भूतोड़िया के अनुसार यह सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि मानवीय कमजोरियों और बदलते सामाजिक मूल्यों का ऐसा जीवंत आईना है जो हर पीढ़ी को अपना सा लगता है।

सिनेमा में साहित्य

भारतीय साहित्य की बहुत कम कृतियों को सिनेमा की दुनिया में ऐसा जादुई और असाधारण जीवन मिला है, जैसा शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के कालजयी उपन्यास देवदास को मिला। वर्ष 1917 में प्रकाशित यह लघु उपन्यास एक युवा जमींदार के बेटे देवदास की कहानी कहता है। देवदास का अपने बचपन के प्यार पार्वती (पारो) के साथ रिश्ता पारिवारिक घमंड और कठोर सामाजिक रूढ़ियों की भेंट चढ़ जाता है।

देवदास की कहानी

अपनी दुविधा और भावनात्मक कमजोरी के कारण देवदास पारो को एक अधिक अमीर परिवार में ब्याहे जाते हुए देखता है। इसके बाद शराब की लत में डूबकर वह तवायफ चंद्रमुखी के संपर्क में आता है, जिसकी सच्ची सहानुभूति देवदास की जीवन से भागने की लाचारी से बिल्कुल अलग दिखती है। यह कहानी भारतीय साहित्य के सबसे दर्दनाक मोड़ पर खत्म होती है, जहां देवदास आखिरी बार पारो से मिले बिना उसके घर के बाहर दम तोड़ देता है।

हिंदी में सहगल को किया कास्ट

इसकी भारी सफलता के बाद उन्होंने अगले ही वर्ष इसे हिंदी में बनाया और के.एल. सहगल को कास्ट किया। सहगल के अभिनय और अमर गानों ने पूरे भारत में देवदास को अमर कर दिया। बरुआ ने बाद में इसका असमिया संस्करण भी बनाया, जिससे यह भारतीय सिनेमा के शुरुआती बहुभाषी प्रोजेक्ट्स में से एक बना। बरुआ ने अकेले ट्रेन का सफर और बंद दरवाजों के बाहर मौत जैसे दृश्यों से एक ऐसा विजुअल ढांचा तैयार किया, जिसे बाद के निर्देशक हमेशा दोहराते रहे।

24 फिल्में अब तक बनी हैं देवदास उपन्यास पर

9 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में पर्दे पर उतरी है देवदास की कहानी। यह हैं हिंदी, बंगाली, तेलुगु, तमिल,मलयालम, असमिया, भोजपुरी, ओड़िया और उर्दू। अकेले निर्देशक पी.सी. बरुआ ने ही 3 अलग भाषाओं (बंगाली, हिंदी, असमिया) में इस पर तीन फिल्में बनाईं। 3 अन्य देशों (पाकिस्तान, बांग्लादेश और सिंगापुर) में भी देवदास पर फिल्में बनी हैं।

दुनिया के सामने भव्य प्रदर्शन

वर्ष 2002 में संजय लीला भंसाली की देवदास के साथ इस कहानी में एक बहुत बड़ा और नाटकीय बदलाव देखने को मिला। शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित के अभिनय से सजी इस फिल्म ने यथार्थवाद को पूरी तरह छोड़कर एक भव्य और ओपेरा जैसी नाटक शैली को अपनाया। आलीशान सेट, चमचमाते महंगे कपड़े और गानों के भव्य दृश्यों ने शरत चंद्र की इस भावुक और शांत त्रासदी को एक विशाल सिनेमाई उत्सव में बदल दिया। कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर के बाद इस फिल्म को वैश्विक पहचान मिली और दुनिया भर के दर्शकों ने देवदास को जाना। जहां पुरानी शैली के आलोचक इसके भारी तड़क-भड़क पर सवाल उठा रहे थे, वहीं भंसाली ने यह साबित कर दिया कि कहानी की मूल आत्मा को खोए बिना इसे नए युग की भव्यता के साथ पेश किया जा सकता है।